



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खोल छत्तीसगढ़ हॉकी लीग: टीमों की अगुवाई करेंगे हॉकी... @ विचार यमन में सऊदी-हूती संघर्ष... @ व्यापार शेयर बाजार लाल निशान में बंद...

भारतीय सेना ने जनरल धीरज सेठ को हटाए जाने के 'दावे' को किया खारिज



एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय सेना ने सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे भ्रामक दावों का खंडन किया है। सेना के अनुसार, कुछ पाकिस्तान समर्थित सोशल मीडिया अकाउंट्स सेना प्रमुख को लेकर झूठा दावा कर रहे हैं। इन सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह अफवाह फैलाने की कोशिश की गई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कथित बयान देने के कारण जनरल धीरज सेठ को पद से हटाने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, भारतीय सेना ने इसका खंडन करते हुए इसे दुष्प्रचार बताया है।

सोशल मीडिया पोस्ट में यह भी कहा जा रहा है कि सेना के अधिकारियों को सेना प्रमुख के आदेशों का पालन नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। सेना ने स्पष्ट किया है कि यह पोस्ट पूरी तरह से निराधार है व केवल झूठ पर आधारित है। भारतीय सेना के फैक्ट चेक संदेश के अनुसार, ये दावे पूरी तरह मनगढ़ंत हैं और इन्हें सेना के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान के तहत फैलाया जा रहा है। सेना ने कहा कि इस तरह की भ्रामक सामग्री का उद्देश्य सैन्य नेतृत्व को लेकर गलत जानकारी फैलाना और सेना के भीतर मतभेद होने की झूठी धारणा पैदा करना है।

दिव्यांगजनों को अब जन्म से पेंशन

केन्द्रीय कैबिनेट का फैसला, 11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों का दिवाली बोनस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक अगले पांच वर्षों के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी है। इस योजना के लिए कुल 53,428 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कैबिनेट के फैसले के तहत योजना और इसकी विभिन्न उप-योजनाओं के नाम बदले जाएंगे, दिव्यांगजन पेंशन योजना में पात्रता मानदंड और सहायता राशि में संशोधन किया जाएगा, जबकि वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और पारिवारिक लाभ योजनाएं मौजूदा स्वरूप में जारी रहेंगी।

सरकार के अनुसार, इस फैसले से देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 3.20 करोड़ लाभार्थियों को लाभ मिलेगा। ग्रामीण विकास विभाग अगले तीन महीनों के भीतर संशोधित दिशा-निर्देश जारी करेगा और उन्हें लागू किया जाएगा।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम का नाम बदलकर 'प्रधानमंत्री सामाजिक सहायता



योजना' किया जाएगा, जिसके तहत मौजूदा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना का नाम प्रधानमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना का नाम प्रधानमंत्री विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना का नाम प्रधानमंत्री दिव्यांगजन पेंशन योजना और राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना का नाम प्रधानमंत्री परिवार लाभ

योजना रखा जाएगा।

बयान के अनुसार, कैबिनेट ने दिव्यांगजन पेंशन योजना में महत्वपूर्ण बदलावों को मंजूरी दी है। अब 0 से 79 वर्ष तक के दिव्यांग लाभार्थियों को 375 रुपए प्रति माह और 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के लाभार्थियों को 625 रुपए प्रति माह की सहायता दी जाएगी।

इसके साथ ही पात्रता मानदंडों में भी

राहत दी गई है। अभी तक योजना का लाभ पाने के लिए 80 प्रतिशत दिव्यांगता जरूरी थी, जिसे घटाकर 40 प्रतिशत बेंचमार्क दिव्यांगता कर दिया गया है। इसके अलावा, दिव्यांग पेंशन के लिए न्यूनतम आयु की शर्त भी समाप्त कर दी गई है और अब जन्म से दिव्यांग व्यक्ति भी इस योजना के दायरे में आ सकेंगे।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि वृद्धावस्था पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना और परिवार लाभ योजना वर्तमान स्वरूप में ही जारी रहेंगी। इन योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को पहले की तरह सहायता मिलती रहेगी।

कैबिनेट ने बयान में आगे बताया है कि राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम की शुरुआत 15 अगस्त 1995 को की गई थी, जिसका उद्देश्य संविधान के अनुच्छेद 41 में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना था। केंद्र सरकार इस योजना के तहत 100 प्रतिशत केंद्रीय सहायता देती है ताकि देशभर में पात्र लाभार्थियों को समान रूप से सहायता उपलब्ध हो सके।

प्रदर्शनकारी छात्रा का आरोप पुलिस ने प्राइवेट पार्ट में मारा, राहुल गांधी से मिले युवा प्रदर्शनकारी



नई दिल्ली। एसआईआर के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने बुधवार को राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल ने सभी के साथ मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें छात्रों ने दिल्ली पुलिस पर मारपीट और हिरासत में ज्यादाती करने के आरोप लगाए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एनएसयुआई के छात्र, कार्यकर्ताओं और कंटेंट क्रिएटर्स ने अपने साथ घटनाएं बताईं। एक छात्र ने प्राइवेट पार्ट पर लात मारने का आरोप लगाया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा अदिरा ने दावा किया कि पुलिस की पिटाई से उसके एक कान से सुनने की क्षमता चली गई।

एक अन्य प्रदर्शनकारी ने आरोप लगाया कि पुलिस क्रूर और भाजपा से जुड़े लोगों के कहने पर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले रही थी।

राहुल गांधी ने छात्रों से घटनाओं के वीडियो और दूसरे सबूत सुरक्षित रखने को कहा। उन्होंने कहा कि इन सबूतों के आधार पर पुलिसकर्मियों से लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त तक, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी।

खबर झरोखा

ईडी ने रिलायंस पावर की 2,032 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त



नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच इकाई ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस पावर लिमिटेड (आरपीएल) की भारत में 2,032.81 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियां जब्त की हैं। जांच एजेंसी की ओर से बुधवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, जब्त की गई संपत्तियों में आरपीएल के बैंक खातों में जमा राशि और सासन पावर लिमिटेड में उसकी हिस्सेदारी शामिल है।

पञ्चश्री से सम्मानित आदिवासी किसान चेरुवयल रमन का निधन

वायनाड। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशान ने बुधवार को पञ्चश्री से सम्मानित आदिवासी किसान चेरुवयल रमन के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने रमन को केरल की कृषि विरासत का संरक्षक बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन पारंपरिक धान की किस्मों को संरक्षित करने और उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए समर्पित कर दिया।

सऊदी अरब में भारतीयों की तादाद ठीक-ठाक, दूतावास कर रहा हरसंभव मदद : विदेश मंत्रालय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने सऊदी अरब पर हो रहे मिसाइल हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय (एफएमटीओ) के मुताबिक नागरिक या सार्वजनिक ठिकानों को निशाना बनाना किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। बिगड़ते हालात के भारतीय

दूतावास को तरफ से अपने नागरिकों को पहुंचाई जा रही हरसंभव मदद का भी उल्लेख किया। बुधवार को पाकिस्तान ब्रीफिंग में एफएमटीओ प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रियाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर हुए हमले को लेकर कहा, 'सऊदी अरब पर कई हमले हुए हैं। कल अरामको



मुख्यालय पर भी हमला हुआ। हम सऊदी अरब में आम लोगों के बुनियादी ढांचे पर हुए ऐसे सभी हमलों की निंदा करते हैं। हमारा मानना है कि ये हमले तुरंत बंद होने चाहिए। ये बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं हैं। हम सऊदी अरब की संभुता की रक्षा के लिए वहां की जनता और

सरकार के साथ खड़े हैं, और हमें उम्मीद है कि इस इलाके में जल्द ही शांति और सामान्य स्थिति बहाल होगी। प्रवक्ता ने वहां रह रहे भारतीयों की मदद के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, 'सऊदी अरब में हमारा दूतावास भारतीय समुदाय के लगातार संपर्क में है और उनकी

भलाई के लिए एडवाइजरी जारी की है। हवाई अड्डों पर हमलों के कारण उड़ानों के शेड्यूल पर असर पड़ा है, जिससे भारतीय एयरलाइंस, खासकर रियाद, दम्मम, मदीना और जेद्दा आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हुई हैं। लेकिन कुछ सऊदी एयरलाइंस आ जा रही हैं।

'होर्मुज में बारूदी सुरंग से टकराकर जहाज डूबा '



एजेंसी ■ लंदन/ तेहरान

ईरान की मीडिया में बुधवार को कुछ वीडियो साझा किए गए हैं। इसे लेकर आईआरजीसी (ईरानी रिबोल्यूशनरी गार्ड्स) ने दावा किया है कि एक बारूदी सुरंग से टकराकर मालवाहक जहाज डूब गया। वहीं यूकेएमटीओ ने भी 2 जहाजों पर प्रोजेक्टाइल हमले की जानकारी दी है। ईरानी मीडिया आउटलेट तस्नीम ने आईआरजीसी के हवाले से बताया है कि मालवाहक जहाज में 2500 कंटेनर थे। कथित तौर पर टक्कर के बाद जहाज में आग लग गई थी। दावा किया जा रहा है कि जंग शुरू होने के बाद यह पहली बार है, जब बारूदी सुरंग से टकराकर कोई

(यूकेएमटीओ) ने भी दो टैंकर्स के डूबने की जानकारी दी है। एजेंसी ने बताया है कि मंगलवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में अलग-अलग घटनाओं में दो कर्म्मशिल जहाजों पर 'अज्ञात प्रोजेक्टाइल' से हमला हुआ। पहली घटना में, 50,000 टन का एक कंटेनर जहाज जलडमरूमध्य में प्रवेश करते समय हमले की चपेट में आ गया। समुद्री सुरक्षा की निगरानी करने वाली एजेंसी के अनुसार, जहाज को मामूली नुकसान पहुंचा, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, और वह सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा जारी रखने में सक्षम रहा।

दूसरी घटना में, 19,000 टन का एक कंटेनर जहाज जलमार्ग से बाहर निकलते समय एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल की चपेट में आ गया। एजेंसी ने बताया कि इसे भी मामूली नुकसान पहुंचा, जहाज पर किसी के घायल होने की खबर नहीं है, और उसने अपनी यात्रा जारी रखी।

मेरठ नीला ड्रम हत्याकांड: मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा

एजेंसी ■ मेरठ

उत्तर प्रदेश के मेरठ में चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड में बुधवार को अदालत ने दोषी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल को फांसी की सजा सुनाई। जिला जज अरविंद कुमार ने दोनों को उनके पति सौरभ राजपूत की हत्या के मामले में मृत्युदंड दिया। अदालत की कार्यवाही के दौरान दोनों दोषी जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। सजा सुनाए जाने के समय मुस्कान और साहिल चुप रहे।

इस चर्चित हत्याकांड में करीब डेढ़ साल बाद अदालत ने सजा का ऐलान किया है। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 22 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए। इनमें उन लोगों की गवाही भी शामिल थी, जिससे कथित तौर पर हत्या में इस्तेमाल चाकू और शव को छिपाने के लिए इस्तेमाल किया गया नीला ड्रम खरीदा गया था। मामले से जुड़े अन्य साक्ष्यों और



गवाहियों के आधार पर अदालत ने दोनों को दोषी करार दिया था। मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या की थी। हत्या के बाद शव के टुकड़े कर उन्हें एक नीले ड्रम में भर दिया गया था। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे देश में सनसनी फैल गई थी।

इससे पहले, 30 सितंबर को जिला जज अरविंद कुमार की अदालत ने मुस्कान और साहिल को

हत्या के मामले में दोषी करार दिया था। बुधवार को अदालत ने दोनों को मृत्युदंड सुनाया। सौरभ राजपूत हत्याकांड में जुलाई 2025 में ट्रॉयल शुरू हुआ था। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 22 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज कराए। करीब 13 महीने तक चली अदालती प्रक्रिया में 126 तारीखों पर सुनवाई हुई। इसके बाद 30 सितंबर को अदालत ने दोनों आरोपियों को

दोषी ठहराया और अब सजा का ऐलान किया।

मामले में सौरभ के परिजन शुरू से ही मुस्कान और साहिल के लिए मृत्युदंड की मांग कर रहे थे। सजा सुनाए जाने से पहले सौरभ की मां ने कहा था कि वह नवरात्र के दौरान पूजा-पाठ में दोनों को फांसी की सजा मिलने की प्रार्थना कर रही हैं। उन्होंने कहा था कि यदि मौत की सजा से भी कोई कड़ी सजा होती, तो वह दोषियों को मिलनी चाहिए।

सौरभ के भाई राहुल राजपूत ने भी दोनों को मृत्युदंड दिए जाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि परिवार ने शुरू से ही न्याय के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी है। यदि अदालत से उनकी मांग के अनुरूप फैसला नहीं आता, तो वे हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की रुख करेंगे। बता दें कि पुलिस ने 19 मार्च 2025 को मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।



ग्रामसभा ने परंपरा और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए लगाया बोर्ड

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

बस्तर जिले की नानगुर तहसील के ग्राम बड़े बोदल में भी धर्मातरण गतिविधियों पर ब्रेक लगा दिया गया है। गांव के अटल चौक पर बोर्ड लगाकर ईसाई धर्म प्रचारकों का गांव में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है।

बड़े बोदल में ग्रामसभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक पेसा पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम 1996 के अंतर्गत ग्राम की परंपरा, रीति-रिवाज एवं सांस्कृतिक संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित की गई। इस अवसर पर ग्राम सभा द्वारा गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु सूचना बोर्ड स्थापित किया गया। ग्रामसभा ने निर्णय लिया कि गांव में किसी



भी प्रकार के बाहरी आयोजन, सभा या कार्यक्रम से पूर्व ग्रामसभा की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। खासकर ईसाई धर्म प्रचारकों के प्रवेश, प्रार्थना सभा आयोजन के खिलाफ यह

फैसला लिया गया है। इस अवसर पर सरपंच पति सुखनाथ नाग, उप सरपंच गंगाराम कश्यप, माटी पुजारी टीरो नाग, कोटवार सुकरू कश्यप, पटेल सोमारू मंडावी, पुजारी फागुराम गोयल,



रामकूरसो गोयल, कोटवार हरिसिंह नाग, ग्राम प्रमुख महेश गोयल, तुलसीराम मंडावी, गुंजुराम मंडावी, परदेसी कवासी, बंडकूराम कश्यप, एलिशा मंडावी, जदू राम नाग,

संतराम नाग, नडगू राम कश्यप, जानू राम नाग, शिबो बघेल, भीमसेन नाग, गागर बघेल, लाल कुमार कश्यप, सुखदेव नाग, रामधर नाग सहित अन्य ग्रामवासि उपस्थित रहे।



रायपुर। माना कैंप में शारदीय नवरात्रि के तैयारियो के क्रम में बंगाली समाज के नवरात्रि अंतिम चरण में है। यहा पर मां दुर्गा के आगमन के आकर्षक दुर्गा पंडाल इस बार काशी विश्वनाथ मंदिर एंव जगन्नाथ पुरी की थीम पर पंडाल की साज सजावट की गई है। जो श्रद्धालुओ के विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सार्वजनिक श्री श्री दुर्गा पूजा उत्सव समिति के पदाधिकारियो ने बताया की प्रतिवर्ष माता के अराधना के लिए माना कैंप में पंडाल अलग-अलग थीम पर तैयार किये जाते है । इस वर्ष भी माता का दरबार पंडाल विशेष साज सजावट के साथ तैयार किया गया है। जिसे देखने के लिए छत्तीसगढ़ सहित देश के कई राज्यों से श्रद्धालु पहुंचते है। कोलकाता में दुर्गा पंडाल के बाद माना कैंप का दुर्गा पंडाल विशेष उल्लेखनीय रहा है।

आप के विरोध के बाद एग्रीस्टेक की अनिवार्यता खत्म

विश्व केसरी■

रायपुर। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय, प्रदेश प्रवक्ता एवं प्रदेश अध्यक्ष कर्मचारी विंग विजय झा, प्रदेश मीडिया प्रभारी मिहिर कुर्मी और रायपुर लोकसभा अध्यक्ष अजीम खान द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप नेताओं ने बताया कि प्रदेश में एग्री स्टेट की जो खामियां थी जिसके कारण हजारों किसान धारण बेचने से वंचित रह जाते थे आम आदमी पार्टी के लगातार विरोध के बाद सरकार ने इस बार एग्रीस्टेक की अनिवार्यता खत्म कर दी है जिसका पार्टी ने किसानों के हितों को लेकर स्वागत किया है। आम आदमी पार्टी द्वारा लगातार पिछले 1 साल से किसानों की मांगों को लेकर पूरे प्रदेश स्तर में किसान सभा कर आंदोलन और सरकार ज्ञापन दिया गया था जिसके परिणाम स्वरूप किसानों की कुछ समस्याओं का समाधान हुआ है।

आप नेताओं ने बताया कि प्रदेश में फसल सत्यापन (खरीफ गिरावारी)



और राजस्व कार्यों के लिए उपयोग किए जा रहे पीवी ऐप और भुइया वेबसाइट को लेकर राज्य में किसानों में भारी विरोध देखने को मिल रहा है। जिसमें सरकार को सुधार करना चाहिए। ग्रामीण और दूर-दराज के खेतों में इंटरनेट नेटवर्क न होने के कारण ऐप ठीक से काम नहीं करता है, जिससे डेटा सिंक या अपलोड करने में भारी दिक्कत आती है। तकनीकी रूप से कमजोर सर्वर और सॉफ्टवेयर डिजाइन के चलते फील्ड में काम करते समय ऐप बार-बार हंग हो

जाता है। ऐप में सटीक जियो-लोकेशन न मिलने के कारण खसरे को सही स्थिति दर्ज करने में बाधा आती है।ऐप के नियमों के अनुसार खेत के चारों कोनों पर जाकर फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। खेतों में पानी भरे होने, फसल के बड़े होने या पुराने नक्शों में भ्रम का अभाव के कारण खेत को सही रूप से पहचानने में कठिनाई होती है। ऐप की इन तकनीकी कमियों के बावजूद काम पूरा न होने पर शासन-प्रशासन द्वारा पटवारियों को शो-कांज

नोटिस और निलंबन जैसी दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है, जिसका पटवारी संघ ने कड़ा विरोध किया है और इन्हीं सभी मांगों को लेकर पटवारी हड़ताल कर रहे हैं।इन तकनीकी बाधाओं के चलते सत्यापन कार्य प्रभावित हो रहा है, जिससे भविष्य में किसानों को समर्थन मूल्य पर धान बेचने में परेशानी हो रही है और इस साल भी यही स्थिति बनी रही हो तो जिस तरह से पिछले साल प्रदेश में 5 किसानों ने आत्महत्या की थी और यदि इस साल भी सुधार नहीं हुआ तो जो किसान आत्महत्या करेंगे उसकी जिम्मेदार सरकार होगी।

पूर्व की कांग्रेस सरकार में किसानों का 1 साल का बोनस बाकी था जिसे भाजपा सरकार को देना था लेकिन उसे बोनस को किसानों को आज तक भाजपा सरकार ने नहीं दिया है जिसका की फंड रिलीज हो चुका था। पिछले 3 सालों में केंद्र सरकार द्वारा एमएसपी बढ़ाई गई है जो कि लगभग 258 के आसपास है।

एनएचएआई ने एजेंसी पर लगाया 10 लाख का जुर्माना



विश्व केसरी■

रायपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग-130 के कटघोरा-अंबिकापुर खंड में दुर्घटना प्रबंधन में लापरवाही पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने संबंधित एजेंसी मेसर्स रविंद्र सिंह पर 10 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई है। विगत 12 अक्टूबर को सुबह करीब 3 बजे चोटिया टोल प्लाजा के पास दो ट्रक-ट्रेलरों की भिड़ंत हुई थी। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने में देरी के कारण मार्ग बाधित रहा।

जांच में सामने आया कि घटना के दौरान एजेंसी का परियोजना प्रबंधक मौके पर मौजूद नहीं था। क्रेन ऑपरेटर की अनुपलब्धता और रिकवरी उपकरणों के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं होने से राहत कार्य प्रभावित हुआ। 1033 हेल्पलाइन पर बार-बार सूचना देने के बावजूद पेनाल्टी लगाई गई है। विगत 12 अक्टूबर को एनएचएआई ने इसे घटना प्रबंधन और हाईवे पेट्रोलिंग के निर्धारित मानकों का उल्लंघन मानते हुए संबंधित एजेंसी पर 10 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई है।

कालील नगर पालिक निगम, रायपुर
(फोन नं- 2) : : : : :
रायपुर :-
Email ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्रं /36061...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 14-10-2026
इशतहार
नामांतरण प्र.क्र. 36061
बाई का नाम - 12 - कालीमाता बाई
एवद द्वारा सूचित किया जाता है कि बाई
12 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी
RPR330C00420 जो की निम अफिलेख
श्री /श्रीमती DHARMESH GUPTA
पिता / पति श्री/श्रीमती LT. RAMKIS-
HAN GUPTA के नाम से दर्ज है जिसको
श्री / श्रीमती.1. श्रीमती अनीता थामले 2.
श्रीमती जयमाला पारेख 3. श्रीमती अनुसुइया
बेन पित्त / पति श्री श्रीमती 1. श्री अजय
दामले 2. श्री राजेश पारेख 3. स्व. श्री सवाई
लाल जैदी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ
पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के
अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /
अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम
अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा
आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था
उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में रुक या खबा रखते
हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक
सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें।
निर्धारित समयवाधि परचता प्राप्त दावा / आपत्ति
पर किसी प्रकार को सुनवाई नहीं की जाएगी।
जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

रायपुर रेल मंडल में विशेष जागरूकता अभियान

कचरे के लिए कलर कोड इस्टबिन

विश्व केसरी■

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में 1 से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है इस पखवाड़े की कड़ी में स्वच्छता को बढ़ावा देने, कार्यालयीन एवं रेलवे परिसरों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से 11 से 15 अक्टूबर 2026 को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के तहत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत रायपुर मंडल के रेलवे स्टेशनों, डिपो, शेड एवं कार्यालयों में रेलकर्मियों तथा सिविदा कर्मचारियों को चार प्रकार के कचरे के पृथक्करण के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। संबंधित डिपो, शेड एवं



कार्यालयों के यूनिट प्रभारियों द्वारा अपने-अपने कार्यस्थलों पर जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत कचरे को चार श्रेणियों—गीला कचरा, सूखा कचरा, सैनिटरी वेस्ट एवं विशेष देखभाल वाले कचरे—में अलग-अलग करने पर जोर दिया जा रहा है।

अभियान के दौरान पेंट्रीकार कर्मियों और स्वच्छता प्रहरियों को को गीले कचरे, सूखे कचरे, सैनिटरी अपशिष्ट तथा विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट को अलग-अलग एकत्र करने, निर्धारित व्यवस्था के अनुसार उनका निस्तारण करने तथा कार्यस्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के महत्व

की जानकारी सहायक वाणिज्य प्रबंधक राजेश कुमार साह द्वारा दी गई साथ ही यात्रियों को भी अपने कचरे को पृथक्करण अलग-अलग डस्टबिन में डालने हेतु प्रेरित किया गया।

साथ ही, कचरे का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका एवं यात्री जागरूकता पर भी जोर दिया। स्टेशनों, ट्रेनों, पेंट्री कार और बसों में रंग-कोडित चार-स्ट्रीम डस्टबिन को उपलब्धता एवं उपयोग की जांच तथा ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग स्टाफ स्टेशन सफाई कर्मियों को कचरे के स्रोत पर ही पृथक्करण के लिए प्रशिक्षण देने पर जोर दिया जा रहा है।

एनआईए अफसर बनकर महिला से 7 लाख की ठगी

विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी रायपुर में साइबर ठगी का चौकाने वाला मामला सामने आया है। ठगों ने 62 वर्षीय महिला को इतना डराया कि वह 5 दिनों तक उनके निर्देशों में फंसी रहीं। खुद को जांच एजेंसी का अधिकारी बताते वाले आरोपियों ने महिला को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने और गिरफ्तारी वारंट जारी होने की धमकी दी। डर के कारण महिला ने अपनी एफडी तुड़वाई और 7 लाख रुपए ठगों के बताए खाते में ट्रांसफर कर दिए।

जानकारी के अनुसार, गंज थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला के मोबाइल पर 7 अक्टूबर को वॉट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को हट्टू रायपुर से जुड़ा अधिकारी बताया। उसने महिला से कहा कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल कर फर्जी बैंक खाता खोला गया है और उस खाते में मनी लॉन्ड्रिंग की रकम आई है। इतना ही नहीं, महाराष्ट्र में गिरफ्तारी वारंट जारी होने की बात कहकर महिला को डराया गया।



ठगों ने महिला को जांच के नाम पर एक पत्र भेजा और सत्यापन कराने को कहा। इसके बाद उनसे परिवार, संपत्ति, बैंक खाते और एफडी की जानकारी ली गई। आरोपियों ने लगातार कॉल कर महिला को मानसिक दबाव में रखा। हर थोड़ी देर में फोन कर जानकारी मांगी जाती और कहा जाता कि सहयोग नहीं किया तो जेल जाना पड़ेगा।

अगले दिन महिला की बात एक अन्य व्यक्ति से कराई गई, जिसे वरिष्ठ अधिकारी बताया गया। उसने भी गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई का डर

दिखाया। महिला को यकीन दिलाया गया कि अगर वह जांच में सहयोग करेंगी तो उन्हें केस से बचाया जा सकता है। इसी भरोसे और डर में महिला ठगों के जाल में फंसीत चली गई।

आरोपियों के कहने पर महिला ने अपनी एफडी तुड़वाने की प्रक्रिया शुरू की। बैंक की छुट्टियों के दौरान भी ठा लगातार संपर्क में रहे। बाद में महिला से बैंक जाकर रकम दूसरे खाते में ट्रांसफर करने को कहा गया। वीडियो कॉल पर ऋक्षत्स-फॉर्म भरवाया गया और 7 लाख

रुपए एक निजी खाते में ट्रांसफर करा लिए गए। रकम भेजने के बाद महिला ने उसकी रसीद भी वॉट्सएप पर आरोपियों को भेज दी।

रकम मिलने के बाद आरोपियों ने महिला को ऋद्ध के नाम से फर्जी प्रमाणपत्र भेजा। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद हट्टू मिल जाएगा। लेकिन जब काफी देर तक कोई दस्तावेज या राहत नहीं मिली, तब महिला को शक हुआ। इसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई।

महिला की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल की टीम बैंक खातों, वॉट्सएप नंबरों और कॉल डिटेल्स के आधार पर आरोपियों का सुराग जुटा रही है।

रायपुर में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इससे पहले भी साइबर ठा कारोबारी और शिक्षक को इसी तरीके से डराकर ठगी कर चुके हैं।

रायपुर में पहली बार राज्यस्तरीय सम्मेलन

‘हाई रिस्क प्रेग्नेंसी अपडेट 2026’ का आयोजन

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलताओं को तथा मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से 2026’ राज्यस्तरीय चिकित्सा सम्मेलन का आयोजन 18 अक्टूबर 2026 को होटल बेबीलॉन कैपिटल, रायपुर में किया जाएगा। इस सम्मेलन की थीम (गर्भावस्था प्रबंधन को सशक्त बनाना) है।

एसएमसी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल टेल्स हेयरफुलनेस एवं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों के साथ नवीनतम चिकित्सा जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है।



सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत स्त्री रोग विशेषज्ञों को उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान, समय पर उपचार और नवीनतम चिकित्सा जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है।

वैज्ञानिक सत्रों में गर्भावस्था के दौरान उच्च रक्तचाप, प्री-एक्लेम्पसिया, एक्लेम्पसिया, गर्भावधि मधुमेह, हृदय रोग, अत्यधिक रक्तस्राव तथा अन्य गंभीर जटिलताओं के प्रबंधन पर चर्चा की जाएगी। विशेषज्ञ वास्तविक चिकित्सकीय मामलों के माध्यम से जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार और समय पर निर्णय लेने के तरीकों पर प्रकाश डालेंगे।

आयोजकों के अनुसार, इस सम्मेलन का उद्देश्य केवल चिकित्सकीय ज्ञान का आदान-प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रदेश के प्रत्येक स्तर पर कार्यरत चिकित्सकों को सशक्त बनाकर मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है।

श्री बालाजी दिशा कॉलेज में अंतर महाविद्यालयीन हैकथॉन प्रतियोगिता, एआई एड मेकिंग एवं वर्सट स्टार्टअप का आयोजन

विश्व केसरी■

रायपुर। श्री बालाजी दिशा कॉलेज, रायपुर में टेक्नाइट क्लब एवं कंप्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में फेस्ट का आयोजन के द्वितीय दिवस पर विद्यार्थियों की रचनात्मकता, नवाचार, उद्यमशीलता एवं आधुनिक तकनीकी कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य के अंतर्गत अंतर महाविद्यालयीन हैकथॉन प्रतियोगिता ,एआई एड मेकिंग) एवं वर्सट स्टार्टअप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, विज्ञापन और समय पर निर्णय लेने के तरीकों पर प्रकाश डालेंगे।

प्रतियोगिता में रायपुर के विभिन्न कॉलेज से 55 विद्यार्थियों की 11 टीम ने बहुचर्चक हिस्सा लिया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ए. के. तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच एवं नवाचार अत्यंत आवश्यक हैं। आर्टिफिशियल



इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को नए आयाम देने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्माण, व्यावसायिक विचारों के विकास तथा प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया।

कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को सीखने, प्रयोग करने तथा अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया। इस प्रकार

की गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हुए उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अंतर महाविद्यालयीन हैकथॉन प्रतियोगिता में समस्या समाधान, निर्माण और नवाचार थीम के साथ विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए नवाचार विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल रचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतर महाविद्यालयीन हैकथॉन का आयोजन किया गया प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालय की विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और

वास्तविक जीवन से जुड़ी समस्याओं की तकनीकी समाधान विकसित किया है।हैकथॉन के दौरान प्रतिभागियों ने सीमित समय में अपनी टीम बनाकर समस्याओं का विश्लेषण किया तथा सॉफ्टवेयर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग ऑटोमेशन और डिजिटल तकनीकी का उपयोग करते हुए अपने प्रोटोटाइप तैयार किया प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल समस्या की पहचान करने तक सीमित न रखते हुए समस्या पहचाने समाधान विकसित करें और उसे वास्तविक रूप दे की सोच के लिए प्रोत्साहित करना था

एआई एड मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को कार्यक्रम के प्रारंभ में दिए गए विषय के आधार पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स की सहायता से आकर्षक विज्ञापन तैयार करने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने एआई के माध्यम से विजुअल्स, रचनात्मक सामग्री, वॉयसओवर एवं वीडियो एलिमेंट्स का उपयोग करते हुए अपनी कल्पनाशीलता और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया।

आशीर्वाद बनाए रखिए, गांव के विकास की जिम्मेदारी आपके बेटे की : विधायक रोहित साहू

विश्व केसरी■
छुरा (मानसिंह निषाद)। राजिम विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में विकास कार्यों को गति देने और गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में विधायक रोहित साहू ने एक बार फिर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ग्राम पंचायत करचाली के आश्रित ग्राम देवसरा में नवनिर्मित टीन शेड का भव्य समारोह के बीच लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर विधायक रोहित साहू ने क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का प्यार और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राजिम विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक विकास पहुंचाना उनकी प्राथमिकता और जिम्मेदारी है। विधायक रोहित साहू के देवसरा आगमन पर ग्रामीणों ने गाजे-बाजे के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। गांव में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच आयोजित लोकार्पण समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। विधायक ने फीता काटकर नवनिर्मित टीन शेड का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में अपने जनप्रतिनिधि के प्रति उत्साह और क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर उम्मीद दिखाई दी।

आपका प्यार और आशीर्वाद ही मेरी ताकत—विधायक ने
समारोह को संबोधित करते हुए विधायक रोहित साहू ने कहा कि देवसरा नाम में ही देव जुड़ा है और देव का अर्थ देवता होता है।



यह गांव बेहद सुंदर है और यहां के लोगों का स्वभाव सरल एवं आत्मीय है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने अपना अमूल्य आशीर्वाद देकर उन्हें राजिम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है। इसके लिए वे सभी क्षेत्रवासियों के हृदय से आभारी हैं।

विधायक ने कहा, ‘आप लोगों ने मुझे जो प्यार और विश्वास दिया है, उस पर खरा उतरना मेरा कर्तव्य है। मैं आपसे वादा करता हूँ कि आपके विश्वास को कभी

कमजोर नहीं पड़ने दूंगा। राजिम विधानसभा क्षेत्र के हर गांव तक विकास पहुंचाना मेरी जिम्मेदारी है। आप अपना आशीर्वाद बनाए रखिए, गांव के विकास की जिम्मेदारी आपके बेटे रोहित साहू की है।’

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं को समझना, गांवों की जरूरतों को प्राथमिकता देना और विकास योजनाओं को धरातल पर उतारना है। इसी उद्देश्य के साथ वे लगातार

ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को जान रहे हैं।

भाजपा सरकार की योजनाओं का किया उल्लेख
विधायक रोहित साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकानों, 3,100 रुपये प्रति किंवटल की घोषित दर तथा महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़क, पुल-पुलिया, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों का विकास तभी सार्थक होगा, जब गांव के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और लोगों को अपनी आवश्यकताओं के लिए परेशान न होना पड़े।

गंगरेल बांध में जल सत्याग्रहियों की तबियत बिगड़ी, शासन पर सवाल

विश्व केसरी■
धमतरी (राजशेखर नायर)। धमतरी जिले में गंगरेल बांध के डूबान प्रभावित ग्रामीणों का विस्थापन की मांग को लेकर जारी आंदोलन अब गंभीर स्थिति में पहुंचता नजर आ रहा है अपने हक और पुनर्वास की मांग को लेकर जल सत्याग्रह कर रहे ग्रामीणों में से आधा दर्जन से ज्यादा लोगों की तबीयत बिगड़ गई आनन-फानन में बीमार ग्रामीणों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

गंगरेल बांध में विस्थापन की मांग को लेकर डूबान प्रभावित ग्रामीण जल सत्याग्रह कर रहे थे इसी दौरान कई ग्रामीणों की तबीयत बिगड़ने लगी स्थिति को देखते हुए उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। एक ओर ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, तो दूसरी ओर प्रदर्शन के दौरान उनकी सेहत बिगड़ने से चिंता बढ़ गई है।

डूबान प्रभावित ग्रामीणों का आंदोलन विस्थापन की मांग को लेकर जारी है ग्रामीण अपनी समस्याओं के समाधान और मांगों पर कार्रवाई की उम्मीद में जल सत्याग्रह कर रहे थे। अब आंदोलन के दौरान ग्रामीणों की तबीयत



बिगड़ने की घटना ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया। तबीयत बिगड़ने के बाद ग्रामीणों को धमतरी जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। फिलहाल प्रभावित ग्रामीणों की सेहत को लेकर स्थिति महत्वपूर्ण बनी हुई है। जल सत्याग्रह के बीच सामने आई इस घटना ने डूबान प्रभावितों के आंदोलन को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। गंगरेल बांध के डूबान प्रभावित ग्रामीण विस्थापन की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। जल सत्याग्रह के दौरान ग्रामीणों की तबीयत बिगड़ने के बाद अब प्रशासन की पहल और प्रभावित परिवारों की मांगों पर होने वाली कार्रवाई पर निगाहें टिकी हैं। ग्रामीणों की मांगों का समाधान कब और कैसे होगा, यह आने वाला वक्त बताएगा।

नगरी के चार विद्यालयों में 1100 विद्यार्थियों को निःशुल्क कॉपियों का वितरण

विश्व केसरी■
नगरी (हिमांशु यादव)। विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से नगरी क्षेत्र के चार विद्यालयों में ‘सेवा संकल्प’ अभियान के अंतर्गत निःशुल्क कॉपियों का वितरण किया गया। इस दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केरगांव एवं गड्ढासिल्ली तथा शासकीय हाईस्कूल गुहाननाला एवं करैहा के 1100 विद्यार्थियों को कॉपियों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर विकास मरकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का संघर्षपूर्ण जीवन, कठिन परिस्थितियों से निकलकर देश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुंचने का उनका सफर प्रत्येक विद्यार्थी



और युवा के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका जीवन सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा प्रयास है कि आर्थिक परिस्थितियां किसी भी विद्यार्थी की पढ़ाई में बाधा न बनें और प्रत्येक बच्चे को आगे बढ़ने के

समान अवसर मिलें। ‘सेवा संकल्प’ अभियान के माध्यम से निःशुल्क कॉपियों का वितरण इसी भावना का एक छोटा-सा प्रयास है, ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहन और आवश्यक सहयोग मिल सके। मरकाम ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें और अनुशासन, मेहनत एवं समर्पण के साथ पढ़ाई करें।

रिश्वत लेने वाले दो ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी गिरफ्तार

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र से भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहाँ किसानों की फसल नष्ट होने के बाद बीमा का क्लेम पास कराने के एवज में रिश्वतखोरी का खेल चल रहा था।

आलनार निवासी प्रार्थी सगाऊ राम कोमरा की नष्ट हो चुकी फसल का बीमा प्रकरण तैयार कर 90,000 रुपये की बीमा राशि निकाश करने के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी। आरोपी अधिकारियों ने कुल बीमा राशि का 75 प्रतिशत हिस्सा

बतौर रिश्वत देने का दबाव बनाया था।

एसीबी जगदलपुर में की गई थी औपचारिक शिकायत - प्रार्थी सगाऊ राम कोमरा इन भ्रष्ट अधिकारियों को रिश्वत नहीं देना चाहता था, बल्कि वह उन्हें कानून के शिकवे में फँसाकर रंगे हाथों पकड़वाना चाहता था। इस मंशा के साथ प्रार्थी ने एंटी करप्शन ब्यूरो इकाई, जगदलपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई। एसीबी की टीम ने नियमानुसार शिकायत भौतिक सत्यापन कराया, जिसमें दोनों अधिकारियों द्वारा रिश्वत मांगे जाने का मामला पूरी तरह से सही पाया गया।

शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए लगेगा शिविर

विश्व केसरी■
भटगांव (रामदास कुरे)। शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण तथा विभागीय कार्यों को सुगम बनाने के उद्देश्य से शिक्षक साझा मंच बिलाईगढ़ और विकासखंड शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण साहू के मध्य ब्लॉक स्तर केंद्र कार्यालय बिलाईगढ़ में विस्तृत बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षकों की सेवा पुस्तिका के संधारण, पेंशन संबंधी अभिलेखों, अवकाश, अनुकंपा नियुक्ति, लॉबित देयकों तथा शिक्षकों की कमी जैसी समस्याओं पर चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि शिक्षकों की सेवा पुस्तिका में होने वाली त्रुटियों एवं कमियों को दूर करने के लिए दशहरा अवकाश के बाद बिलाईगढ़, भटगांव और सरसीवां में तीन अलग-अलग स्थानों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में शिक्षक अपनी सेवा पुस्तिका का स्वयं अवलोकन करेंगे तथा उसमें पाई जाने वाली कमियों को संबंधित



अधिकारियों और संगठन के सहयोग से दूर जाएंगे। इसका उद्देश्य शिक्षकों को विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने और अनावश्यक परेशानियों से बचाना है।

एनपीएस और ओपीएस के अभिलेखों के संधारण पर जोर
बैठक में शिक्षकों को एनपीएस और ओपीएस से संबंधित अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण की सलाह दी गई। इसके लिए दो अलग-अलग पासबुक रखने की बात कही गई, ताकि संविलियन से पूर्व और संविलियन के बाद की राशि का विवरण व्यवस्थित रूप से दर्ज किया जा सके। बैठक में कहा गया कि भविष्य में सेवानिवृत्ति के समय इन अभिलेखों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

ग्रीष्मकालीन जनगणना कार्य का मिलेगा लाभ
शिक्षा सत्र 2026-27 में जिन शिक्षकों ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान जनगणना का कार्य किया है, उनके सेवा अभिलेखों में नियमानुसार अर्जित अवकाश के संधारण की कार्रवाई की जाएगी। इससे संबंधित शिक्षकों को नियमानुसार अवकाश का लाभ मिल सकेगा।

बस किराये में 40 फीसदी वृद्धि साय सरकार का अमानवीय कदम : जावेद खान

विश्व केसरी■
जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता जावेद खान ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा यात्री बस किराया में 40 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी देने के निर्णय को छत्तीसगढ़ की जनता के लिए अमानवीय और आफत बताया है। जावेद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग जहां आम आदमी के लिए यात्रा का एकमात्र साधन यात्री बसें हैं, यहाँ न तो ट्रेनों की सुविधा है और न ही हवाई यात्रा का प्रबंध, सर पर दीपावली का त्यौहार जिसमें हर कोई अपने घर त्यौहार मनाते जाते हैं और माध्यम यात्री बस ही बनती है जिसका किराया अब बढ़ा दिया गया है ऐसे में छत्तीसगढ़ और बस्तर की जनता के लिए यात्री बस किराये में 40 प्रतिशत वृद्धि का फैसला राहत नहीं आफत है।



कांग्रेस नेता जावेद खान ने कहा है कि एक ओर हर वस्तु का मूल्य आज आसमान छू रहा है, जनता महंगाई से पहले ही त्रस्त हो चुकी है, बस्तर से राजधानी रायपुर जाने के लिए यात्री बस के सिवाय कोई सस्ता और सुलभ माध्यम नहीं है, ऐसे में साधारण बस में पहले 5 किमी के लिए 10 रुपए इसके बाद हर किलोमीटर पर 1.75 रुपए वहीं डीलक्स और एसी बसों में पहले 5 किमी के बाद प्रत्येक किमी के लिए 2.20 पैसे यात्री बस के किराए में वृद्धि को मंजूरी देकर छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने अपना अमानवीय चेहरा उजागर किया ही है साथ ही साथ यह भी बताया है कि प्रदेश की भाजपा सरकार धना सेतों के हाथों की कठपुतली वाली सरकार है ना कि आम छत्तीसगढ़ियों की सरकार है।

पैराडाइज स्कूल में नवरात्रि पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

विश्व केसरी■
कांकेर (सीताराम शर्मा)। पैराडाइज सी.बी.एस.ई. स्कूल में नवरात्रि के पावन अवसर पर बच्चों ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ उत्सव मनाया। इस अवसर पर विद्यालय में सुंदर नवरात्रि सजावट की गई।

बच्चों ने रंग बिरंगे फूलों एवं करणर पैपर से आकर्षक सजावटी सामग्री, तोरन और पारंपरिक कलाकृतियों से विद्यालय को खूबसूरती से सजाया। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को माँ दुर्गा के नौ रूपों, नवरात्रि के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व तथा भारतीय परंपराओं के बारे में जानकारी दी गई।



इस आयोजन के द्वारा बच्चों में रचनात्मकता, सहयोग, एकता और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा दिया।

विद्यालय का वातावरण भक्तिमय और उत्साहपूर्ण रहा। नवरात्रि के पावन अवसर पर प्राचार्य रश्मि रजक ने कहा कि नवरात्रि केवल एक त्यौहार नहीं, बल्कि यह शक्ति, भक्ति, साहस और नारी सम्मान का प्रतीक है, हमें प्रेरणा लेनी चाहिए कि हम अपने जीवन में अच्छे संस्कार अपनाएँ, अपने माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करें, हमें बेतुक्तियों का सम्मान करना चाहिए और समाज में महिलाओं की शक्ति एवं योगदान को पहचानना चाहिए।

अंतागढ़ की सात सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा झापन

विश्व केसरी■
अंतागढ़ (डम्पी खान)। क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर सात सूत्रीय मांगों का झापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अंतागढ़ को सौंपा गया। झापन में किसानों की फसल क्षति, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, स्थानीय बेरोजगारों की रोजगार, बढ़ते बिजली बिल, जल संकट और सड़कों की बदहाल स्थिति जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। साथ ही अंतागढ़ को पूर्ण जिला घोषित करने की मांग भी सामने रखी गई।

झापन में कहा गया कि अल्पवर्षा और कीट प्रकोप के कारण क्षेत्र के किसानों की फसल प्रभावित हुई है। ऐसे में प्रभावित



किसानों को उचित मुआवजा देने, फसल बीमा की राशि उपलब्ध कराने तथा किसानों का कर्ज माफ करने की मांग की गई शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों के जर्जर सरकारी स्कूल भवनों की मरम्मत कराने और शिक्षकों की कमी दूर करने पर जोर दिया गया। प्रत्येक प्रार्थमिक शाला में कम से कम चार शिक्षकों की नियुक्ति की मांग भी रखी गई, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके।

गेंदा की खेती किसानों के लिये बना आय का नया विकल्प

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। जिले के किसान अब परंपरागत खेती से आधुनिक और कम लागत में अधिक मुनाफा वाली खेती की ओर अग्रसर हैं। गेंदा फूल की खेती एक नया विकल्प के रूप में उभर रहा है।

एक्सपर्टेशन रिफार्मस योजना अंतर्गत विकासखंड सिमगा के किसान राधेश्याम सोनकर एवं अन्य कुषकों के द्वारा 10 एकड़ रकबे में एवं कुछ किसानों द्वारा स्वयं से 20 एकड़ रकबे में गेंदा की खेती की गई है। किसानों द्वारा गेंदा को 120 रुपये किलो की दर से रायपुर, भिलाई एवं अन्य स्थानों में विक्रय कर प्रति एकड़ 1 से 1.5 लाख रुपये लाभ अर्जित किया जा रहा है। गेंदा की खेती कम अवधि में तैयार होने वाली एक उपयोगी व्यावसायिक फसल है, जिसका



उपयोग धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों, पूजा-पाठ, त्यौहारों, विवाह समारोहों तथा सजावट में गेंदा के फूलों की मांग बनी रहती है। किसान स्थानीय बाजार, फूल विक्रेताओं एवं मांग के अन्य उपलब्ध माध्यमों को ध्यान में रखकर इसकी खेती की योजना बना सकते हैं, धान एवं अन्य परंपरागत फसलों के साथ गेंदा

जैसी उद्यानिकी फसलों को अपनाने से किसान अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार आत्मा योजना अंतर्गत गेंदा की खेती का प्रक्षेत्र निरीक्षण, किसानों को फूलों की खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उप संचालक कृषि दीपक कुमार नायक ने विगत दिनों

गेंदा की खेती का निरीक्षण किया तथा खेती की स्थिति, पौधों की बढ़वार एवं उत्पादन की संभावनाओं की जानकारी ली गई। इस दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा फूलों की खेती के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई, और अधिक से अधिक कुषकों को गेंदा की खेती करने हेतु

प्रोत्साहित किया गया।

उप संचालक कृषि ने बताया कि गेंदा की खेती से आय का आकलन वास्तविक लाभ उत्पादन, किस्म, मौसम, लागत, बाजार भाव तथा बिक्री व्यवस्था पर निर्भर करता है। गेंदा की खेती में उन्नत किस्मों का चयन, समय पर रोपाई, संतुलित पोषण प्रबंधन, सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण तथा कीट-रोगों का उचित प्रबंधन महत्वपूर्ण है।

खेती शुरू करने से पहले स्थानीय बाजार में फूलों की मांग एवं संभावित बिक्री मूल्य की जानकारी लेना भी आवश्यक है। कृषि विभाग एवं आत्मा योजना के माध्यम से किसानों को कृषि एवं उद्यानिकी आधारित गतिविधियों की जानकारी देकर आय के वैकल्पिक स्रोतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जोगी डबरी के पास जुआ खेल रहे जुआरियों पुलिस ने दबोचा

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा गौरव राय (भा.पु.से.) के कुशल निर्देशन में जिले में अवैध गतिविधियों, जुआ-सट्टा और असामाजिक कुत्त्यों पर अंकुश लगाने हेतु लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना लवन पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए जुआ खेल रहे आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है।



घटना एवं अपराध का विवरण:- 13 अक्टूबर की रात्रि को थाना लवन पुलिस को जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम गिंदोला जोगी डबरी के पास कुछ व्यक्ति 52 तास पत्ती से रुपए-पैसे का हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेलना स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से फड़ व पास से कुल जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर थाना

लवन पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की गई। मौके पर पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ करने पर उन्होंने पैसे का दांव लगाकर जुआ खेलना स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से फड़ व पास से कुल 3,130/- नगद, 52 तासपत्ती आदि

जप्त की गई। आरोपियों का कृत्त छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत दंडनीय पाए जाने पर थाना लवन में अपराध क्र. 0344/2026 पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री के आगमन से पहले रातोंरात चमकीं शिवरीनारायण की बदहाल सड़कें

लंबे समय से धूल और गड़बों से जूझ रहे नगरवासियों को मिली राहत

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। धार्मिक एवं व्यापारिक नगरी शिवरीनारायण में बदहाल सड़कों, उड़ती धूल और जगह-जगह खराब मार्गों से परेशान नगरवासियों को आखिरकार राहत मिलने लगी है। लंबे समय से सड़कों की दुर्दशा को लेकर शिकायतें उठ रही थीं। नगरवासी धूल से निजात दिलाने और सड़कों की मरम्मत कराने की मांग कर रहे थे। लेकिन संबंधित विभागों के बीच जिम्मेदारी और कार्रवाई को लेकर कथित टालमटोल के बीच समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था। ऐसे में नगर पंचायत अध्यक्ष ने एक ऐसी पहल की, जिसने अचानक पूरे घटनाक्रम की दिशा बदल दी। दशहरा महोत्सव में मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री को आमंत्रित करने की पहल के बाद जैसे ही मुख्यमंत्री का कार्यक्रम तय हुआ, नगर की बदहाल सड़कों की तस्वीर बदलने लगी। जिन सड़कों की हालत लंबे समय से सुधार की बात जोह रही थी, वहां रातोंरात काम शुरू हुआ और सड़कें चकाचक नजर आने लगीं। **शिकायतों से लेकर नगर बंद तक, फिर भी नहीं जागा सिरस्टम!**
नगर में खराब सड़कों और धूल की समस्या कोई नई बात नहीं थी। नगरवासी



लंबे समय से इस परेशानी का सामना कर रहे थे। सड़कों से उड़ने वाली धूल दुकानदारों, राहगीरों और आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी। व्यापारियों को अपनी दुकानों में धूल से जूझना पड़ रहा था, वहीं राहगीरों को भी आवागमन के दौरान दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। बार-बार शिकायतों और विरोध के बावजूद अपेक्षित सुधार नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती गई। यहां तक कि नगर की समस्याओं को लेकर नगर बंद जैसे

कदम भी उठाए गए, लेकिन नागरिकों की मांगों के अनुरूप कार्रवाई की गति नजर नहीं आई। ऐसे माहौल में नगरवासियों के मन में एक ही सवाल था कि आखिर उनकी समस्या का स्थायी समाधान कब होगा? जब आम जनता की परेशानी लंबे समय से सामने थी, तो जिम्मेदार विभागों ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की?

नगर पंचायत अध्यक्ष की पहल बनी निर्णायक मोड़!
इसी बीच दशहरा महोत्सव को भव्य

स्वरूप देने और नगर में बड़े आयोजन के मद्देनजर मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री को आमंत्रित करने की पहल चर्चा में आई। नगर पंचायत अध्यक्ष की इस पहल को घटनाक्रम का निर्णायक मोड़ माना जा रहा है। मुख्यमंत्री के आगमन का कार्यक्रम तय होते ही प्रशासनिक और संबंधित विभागीय गतिविधियों में तेजी दिखाई देने लगी। नगर की बदहाल सड़कों पर काम शुरू हुआ और देखते ही देखते उन मार्गों की तस्वीर बदलने लगी, जिनकी दुर्दशा को लेकर लंबे समय से सवाल उठाए जा रहे थे।

अध्यक्ष की इस पहल का एक सकारात्मक पहलू यह भी सामने आया कि बड़े आयोजन के बहाने ही सही, नगर की बुनियादी समस्याओं पर जिम्मेदार तंत्र का ध्यान गया। यदि इस पहल के कारण सड़कों की मरम्मत और सुधार कार्य में तेजी आई है, तो इससे फिलहाल नगरवासियों को राहत मिलना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस घटनाक्रम ने यह भी दिखाया कि जब किसी बड़े कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक सक्रियता बढ़ती है, तो वर्षों से लंबित दिखाई देने वाले काम भी अचानक प्राथमिकता में आ जाते हैं। यही बात अब नगर में चर्चा और बहस का विषय बनी हुई है।

रेत चोरी करने वाले दो आरोपियों को तीन साल का कठोर कारावास

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। अरपा नदी से अवैध रूप से रेत उत्खनन और परिवहन करने के मामले में न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए दो आरोपियों को तीन-तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत सुनाए गए इस फैसले को अवैध खनन के विरुद्ध महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विशेष न्यायाधीश ने सुनाया फैसला, खनिज माफियाओं को कड़ा संदेश – प्रास जानकारी के अनुसार, अरपा नदी के लारीपारा से रेत प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रूप से रेत निकालकर परिवहन किए जाने का मामला सामने आया था। इस मामले में आरोपी सुरेंद्र कुमार कुर्ौर और विजय बब्वल के विरुद्ध न्यायालय में प्रकरण चलाया गया। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और तथ्यों पर विचार करने के बाद न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए तीन-तीन वर्ष के कठोर कारावास के साथ प्रत्येक पर एक हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में अतिरिक्त कारावास का प्रावधान भी आदेश में किया गया है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत दोनों दोषियों को 15-15 दिन के अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा भी सुनाई। इस



घाट से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा था। इस दौरान वाहन क्रमांक सीजी-10 बीडी-9417 से रेत के परिवहन का मामला सामने आया था। प्रकरण में अवैध उत्खनन एवं परिवहन से संबंधित कानूनी प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप था।विशेष न्यायाधीश सिराजुद्दीन कुैशी खान ने खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 तथा संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत मामले की सुनवाई की। न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषी पाते हुए तीन-तीन वर्ष के कठोर कारावास के साथ प्रत्येक पर एक हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में अतिरिक्त कारावास का प्रावधान भी आदेश में किया गया है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत दोनों दोषियों को 15-15 दिन के अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा भी सुनाई। इस

प्रकार अवैध खनन और परिवहन के मामले में न्यायालय ने दंडात्मक कार्रवाई के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया है कि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को हल्के में नहीं लिया जा सकता।
अवैध खनन पर सख्ती की जरूरत – अरपा नदी बिलासपुर की जीवनरेखा मानी जाती है। नदी से अवैध रूप से रेत निकालने से न केवल पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होता है, बल्कि नदी के प्राकृतिक स्वरूप, तटों और आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ऐसे में अवैध उत्खनन पर प्रभावी निगरानी, नियमित जांच और दोषियों के विरुद्ध समयबद्ध कार्रवाई बेहद जरूरी है। न्यायालय का यह फैसला अवैध खनन में संलिप्त लोगों के लिए चेतावनी है। साथ ही यह संदेश भी देता है कि प्राकृतिक संपदा का संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक हित से जुड़ा विषय है।

स्वच्छता के दावे फेल: बुधवारी बाजार वार्ड 03 में कचरे का अंबार, संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंक्

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)।शहर के पास और व्यस्त इलाकों में शुमार बुधवारी बाजार वार्ड क्रमांक 03, शराब भट्ठी के पास इन दिनों बदहाली और भयंकर गंदगी से जूझ रहा है। स्थानीय प्रशासन और नगर



गली सब्जियां, प्लास्टिक कचरा और अन्य अपशिष्ट पदार्थ खुले में सड़ रहे हैं, जिससे उठने वाली दुर्गंध के कारण वहां खड़े रहना भी दूभर हो गया है।

बीमारियों के फैलने की आशंका से सहमे लोग

सफाई न होने के कारण इस इलाके का वातावरण लगातार दूषित होता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो क्षेत्र में हैजा ,मलेरिया, डेंगू और टाइफाइड जैसी गंभीर संक्रामक

बीमारियां तेजी से फैल सकती हैं। जगह-जगह जमा गंदे पानी और कचरे के कारण मच्छरों और मक्खियों का प्रकोप भी चरम पर है। **शासन-प्रशासन की उदासीनता पर आक्रोश**

स्थानीय रहवासियों और दुकानदारों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया गया है, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासनिक लापरवाही के कारण लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

जनता की मांग: जल्द ही विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। साथ ही, कचरे के नियमित उठान की पुख्ता व्यवस्था की जाए, ताकि आम जनता को बीमारियों के साये से बचाया जा सके।

पलाइंग किक चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ को मिला तीसरा स्थान

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बैडमिंटन हॉल में आयोजित ट्रायबल स्पोर्ट्स एंड कल्चर फेस्टिवल मेयर्स कप 10वीं नेशनल पलाइंग किक भारत मार्शल आर्ट चैंपियनशिप 2026 में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश को तीसरा स्थान दिलाया है। प्रतियोगिता में बिलासपुर जिले के 15 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन करते हुए कुल 12 स्वर्ण और 3 रजत पदक हासिल किए हैं।

इस राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में देश के आठ राज्यों से लगभग 500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में मान्गता, भावेश, आदित्य कुमार, आदित्य, मानिकपुरी, संजनी जोशी,



आसना, वाशु जैन, खुशी कुमारी, अमन गेंडारे, देवराज, आर्यन सागर, गुलमित्र बांधी, जतिन कुमार, गौरव कुमार और शिवांग सहित अन्य खिलाड़ी शामिल हैं। खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन खेल कौशल और मेहनत के दम पर यह उपलब्धि हासिल की।

प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर लौटे खिलाड़ियों का रेलवे स्टेशन पर गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। जिससे माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। इंटरनेशनल मास्टर गणेश सागर एवं पलाइंग किक के अध्यक्ष उमाशंकर साहू ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जिला ऑटो संघ चुनाव में अजय पानीकर अध्यक्ष निर्वाचित

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिला ऑटो संघ बिलासपुर (पेट्रोल ऑटो) के संगठनात्मक चुनाव का परिणाम घोषित हो गया है। त्रिवेणी भवन में 12 अक्टूबर को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान और मतगणना संपन्न हुई, जिसमें अध्यक्ष पद पर अजय पानीकर (नान भाई) ने बाजी मारी। मुख्य चुनाव अधिकारी नगर निगम वार्ड नंबर 42 देवरी खुर्द के पार्षद लक्ष्मी यादव एवं उप चुनाव अधिकारी बिज्जू राव के नेतृत्व में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सीसीटीवी कैमरे और पुलिस प्रशासन की निगरानी में कराया गया।

सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान चला। संघ में कुल 1116 मतदाता ऑटो चालक एवं मालिक हैं इसमें लगभग 91% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना परिणाम क्रमवार कोषाध्यक्ष, सह सचिव, सचिव, उपाध्यक्ष और अंत में अध्यक्ष पद के लिए की।

अध्यक्ष पद – अजय पानीकर (नान भाई) – 515 वोट – विजयी, अब्दुल वकील खान – 504 वोट, संतुला देवी पाटले – 08 वोट, जीत का अंतर – 11 वोट।

उपाध्यक्ष पद – शेख वजीर – 391 वोट – विजयी (145 वोटों से), अब्दुल रुज्जाक – 246, पुरुषोत्तम टंडन – 198, जीवन बंजारे – 181।

सचिव पद – जराड वेनहालटन – 704 वोट – विजयी (395 वोटों से), लोमस कुर्रे – 309 वोट।

सह सचिव पद – जितेन्द्र खांडे – 439 वोट – विजयी (135 वोटों से), रामकुमार बघेल – 304, देव कुर्रे – 260।

कोषाध्यक्ष पद – ताम्रध्वज साहू – 652 वोट – विजयी (305 वोटों से) मो. मेराज – 347 वोट।

मतगणना उपरांत मुख्य चुनाव अधिकारियों द्वारा सभी विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

युवती से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिले के हिरा थाना क्षेत्र के ग्राम खरकेना में पड़ोसी महिला से कथित छेड़छाड़ और बीच-बचाव करने पहुंचे उसके ससुर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर



न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, घटना 12 अक्टूबर 2026 की शाम करीब 6 बजे पीड़िता के घर-आंगन में हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पड़ोसी विकास चतुर्वेदी (19) ने महिला की हाथ-बांह पकड़ी। विरोध करने और बीच-बचाव करने पहुंचे उसके ससुर के साथ भी मारपीट कर चोट पहुंचाई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर हिरौं पुलिस ने टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। पूछताछ के दौरान पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। इसके बाद 13 अक्टूबर को दोपहर 12:30 बजे उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने अपराध क्रमांक 325/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 296, 115(2), 351(3) और 3 (5) में पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

414 छात्राओं को वितरित की गई बालिका स्वच्छता सामग्री

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। बालिकाओं के स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं आत्मसम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 13 अक्टूबर को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, अकलतरा में बालिका स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 414 छात्राओं को बालिका स्वच्छता सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन खनिज विकास निगम के अध्यक्ष एवं अकलतरा विधानसभा के पूर्व विधायक सौरभ सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बताते हुए करारी देवांगन पिंपकी बघेल सहित भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं महिला मोर्चा की सदस्य उपस्थित रहीं। शिक्षा विभाग की ओर से विकासखंड शिक्षा

अधिकारी देवकांत द्विवेदी तथा विद्यालय के प्राचार्य एच.आर. चौहान सहित शिक्षकगण एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में



पाटले, जिला उपाध्यक्ष शमीर शुक्ला, जनभगीदारी अध्यक्ष एवं शाला विकास समिति के अध्यक्ष तथा जिला सहसंयोजक व्यापार प्रकोष्ठ चंदन शर्मा, सुमित चंदेल महामंत्री श्याम चौधरी पुरुषोत्तम नामदेव दिनेश दास राज शर्मा बंटी सिंह काति धरिया दीपक नागदेव कुलदीप गौतम भारती देवांगन पिंपकी बघेल सहित भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं महिला मोर्चा की सदस्य उपस्थित रहीं। शिक्षा विभाग की ओर से विकासखंड शिक्षा अधिकारी देवकांत द्विवेदी तथा विद्यालय के प्राचार्य एच.आर. चौहान सहित शिक्षकगण एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में

शामिल हुए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि किशोरावस्था में बालिकाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी सही जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है।

ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं में जागरूकता बढ़ती है और वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग होकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकती हैं। बालिकाओं को स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराने की पहल उनके स्वास्थ्य, सुविधा एवं सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज में जनसेवा, जागरूकता और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का संदेश रहा कि स्वस्थ बालिका ही सशक्त समाज और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

किसानों ने श्रमदान कर की लारिपारा व्यापवर्तन नहर की सफाई की

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत तखतपुर विकासखंड के ग्राम खरागहनी एवं खरागहनी के किसानों ने सामूहिक श्रमदान कर लारिपारा व्यापवर्तन योजना की मुख्य नहर की सफाई की। दोनों गांवों से करीब 10 से 15 किसानों ने इस कार्य में भाग लेकर मुख्य नहर के लगभग 2 से 3 किलोमीटर हिस्से की सफाई की।

किसानों की इस पहल से नहर में पानी का प्रवाह सुचारु रूप से खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने में मदद मिलेगी। सामूहिक श्रमदान के माध्यम से किसानों ने सिंचाई संसाधनों की देखभाल के प्रति अपनी जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। सेवा संकल्प



अभियान के तहत किसानों का यह प्रयास जनसहभागिता का प्रेरक

जरूरतों के साथ सामुदायिक

सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करता है।

मजबूत करता है।

150 हितग्राहियों को निःशुल्क चरमा वितरण सौरभ सिंह ने कहा—जनसेवा ही सबसे बड़ा संकल्प

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क चरमा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह ने नेत्र परीक्षण के बाद चयनित 150 हितग्राहियों को निःशुल्क चश्मे प्रदान किए। इस पहल के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को दृष्टि संबंधी समस्याओं से राहत दिलाने तथा उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को चश्मे वितरित करते हुए सौरभ सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का मूल उद्देश्य जनसेवा की भावना को मजबूत करना और समाज के जरूरतमंद लोगों तक कल्याणकारी गतिविधियों का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर जनसेवा के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है। **जरूरतमंदों की सहायता ही जनसेवा का वास्तविक उद्देश्य : सौरभ सिंह** सौरभ सिंह ने कहा कि किसी भी जनकल्याणकारी पहल की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। जरूरतमंदों की समस्याओं को समझकर उनकी सहायता करना ही जनसेवा का वास्तविक अर्थ है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जाने वाले ऐसे प्रयास लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि अखंड मानव जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और दृष्टि संबंधी परेशानी का असर व्यक्ति की दिनचर्या पर पड़ता है। समय पर नेत्र परीक्षण तथा आवश्यकता के अनुसार चरमा उपलब्ध होने से लोगों को पहले-लिखने और रोजमर्रा के कार्यों में सुविधा मिल सकती है।

शेयर बाजार लाल निशान में बंद फार्मा और फाइनेंशियल सर्विसेज पर रहा दबाव

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 251.89 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,781.89 और निफ्टी 99.25 अंक या 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,622.70 पर था।

बाजार पर दबाव बनाने का काम फार्मा और फाइनेंशियल सर्विसेज स्टॉक्स ने किया। सूचकांकों में निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज करीब एक प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी इंडिया मैनुफैक्चरिंग और निफ्टी कंजेशन लाल निशान में थे।

दूसरी तरफ निफ्टी एनर्जी, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी आईटी, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी मीडिया और निफ्टी इंडिया डिफेंस हरे निशान में बंद हुए।



लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट हुई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 62.60 अंक या 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,384.80 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 50.10 अंक या 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,409.10 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचयूएल, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी और कोटक महिंद्रा बैंक हरे निशान में थे। बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, इटनल, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, सन फार्मा, एलएंडटी, टाइटन, ट्रेट, एशियन

ग्रो का मुनाफा सितंबर तिमाही में घटा आय 1,500 करोड़ रुपए अधिक रही

विश्व केसरी■

मुंबई। ब्रोकिंग फर्म ग्रो की प्रवर्तक कंपनी बिलियनब्रैन्स गैराज वेंचर्स लिमिटेड ने बुधवार को सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का कर के बाद मुनाफा जुलाई-सितंबर अवधि में तिमाही आधार पर करीब 1.50 प्रतिशत घटकर 724.70 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि जून तिमाही में 735.04 करोड़ रुपए था।

वित्त वर्ष 27 की सितंबर तिमाही में कंपनी की परिचालन से आय करीब 1,501.53 करोड़ रुपए पर सपाट रही है, जो कि जून तिमाही में 1,501.42 करोड़ रुपए थी।

इस दौरान कंपनी की अन्य आय 47.25 करोड़ रुपए से घटकर 39.01 करोड़ रुपए रह गई है।

सितंबर तिमाही में कंपनी की कुल आय में भी कमी देखी गई है, जो कि जून तिमाही के 1,548.67 करोड़ रुपए से घटकर 1,540.54 करोड़ रुपए रह गई है।



इस दौरान कंपनी का कुल खर्च भी सपाट रहा है। सितंबर तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 555.93 करोड़ रुपए रहा है, जो कि जून तिमाही में 555.68 करोड़ रुपए था।

कंपनी की ओर से जारी किए गए नतीजों में बताया गया कि वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर अवधि) में उसका कैश फ्लो नकारात्मक -900.12 करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल

कर्नाटक सीएम ने चेक कंपनियों को किया आमंत्रित, कहा- बेंगलुरु से आगे भी करें निवेश



विश्व केसरी■

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को चेक गणराज्य की कंपनियों से बेंगलुरु से आगे, राज्य के अन्य जिलों में भी निवेश का विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने निवेशकों को समर्थन का आश्वासन देते हुए कई क्षेत्रों में अवसरों पर प्रकाश डाला।

डीके शिवकुमार ने कहा, 'कर्नाटक चेक गणराज्य का दीर्घकालिक भागीदार रहेगा। चेक कंपनियों को अपना निवेश सिर्फ बेंगलुरु तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कर्नाटक के विभिन्न जिलों में अवसरों की तलाश करनी चाहिए।'

वह बेंगलुरु के विधानसभा में चेक गणराज्य के उप प्रधानमंत्री करेल हावलीचेक के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान बोल रहे थे। डीके शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक कृषि, वानिकी, बागवानी और फूलों की खेती में अग्रणी राज्यों में से एक है और प्रतिनिधिमंडल से राज्य को

संभावित निवेश गंतव्य के रूप में विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक देश के कुछ सबसे बड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों और सबसे पुरानी पनबिजली सुविधाओं का घर है। राज्य की पर्याप्त ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए, इस क्षेत्र में निवेश की काफी गुंजाइश है।

उन्होंने चेक कंपनियों को ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), अगली पीढ़ी की मोबिलिटी, टेस्टिंग और विशेष विनिर्माण में सहयोग तलाशने के लिए भी आमंत्रित किया। सीएम शिवकुमार ने कहा कि उन्हें चेक प्रतिनिधिमंडल की एयररोस्पेस क्षेत्र में निवेश करने में रुचि के बारे में बताया गया है।

इस तरह की पहल से कर्नाटक और चेक गणराज्य के बीच सहयोग के और रास्ते खुल सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक सरकार इन्वेस्ट कर्नाटक, कर्नाटक उद्योग मित्र, कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) और राज्य की सिंगल-विंडो

क्लीयरेंस प्रणाली के माध्यम से इच्छुक कंपनियों को सहयोग दे रही है। उन्होंने कहा कि ये तंत्र कंपनियों को उपयुक्त स्थानों का आकलन करने, लागू अनुमोदन प्रक्रियाओं को समझने और संबंधित सरकारी विभागों के साथ समन्वय करने में मदद करते हैं।

सीएम शिवकुमार ने कहा, 'ऐसे निवेशों को आकर्षित करना जो तकनीक लाएं, स्थानीय उद्योग को मजबूत करें, गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा करें और निर्यात का समर्थन करें, हमारी प्राथमिकता है।'

उन्होंने कहा कि चेक व्यापारिक समुदाय और चेकट्रेड चेक कंपनियों और कर्नाटक सरकार के बीच सेतु का काम कर सकते हैं। उन्होंने चेक बिजनेस समूहों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जो व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देने, स्थानीय भागीदारों की पहचान करने और चेक कंपनियों को कर्नाटक में निवेश के अवसरों को समझने में मदद करते हैं।

भारत में 2026 के त्योहारी सीजन में कारोबार 7 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचने का अनुमान: कैट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत में 2026 के त्योहारी सीजन (नवरात्रि से लेकर दीपावली तक) में कारोबार 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंचने का अनुमान है, यह पिछले साल के आंकड़े से 15-18 प्रतिशत है। यह जानकारी कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से दी गई।

कैट के नेशनल सेक्रेटरी जनरल और चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह अनुमान अलग-अलग राज्यों के व्यापार संघों और बाजारों से मिली जानकारी, ग्राहकों की मांग, त्योहारों के दौरान खरीदारी के ट्रेंड और ग्रामीण व अर्ध-शहरी इलाकों में बढ़ी हुई कमर्शियल गतिविधियों पर आधारित था।

उन्होंने कहा कि पिछले साल त्योहारों के दौरान कुल कारोबार लगभग 6.05 लाख करोड़ रुपए का था, जिसमें 5.40 लाख करोड़ रुपए का सामान और 65,000 करोड़ रुपए की सेवाएं शामिल थीं। कैट के अनुसार, मौजूदा त्योहारी सीजन



में सर्विस सेक्टर में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद है और इसका कारोबार 80,000 करोड़ रुपए से 1 लाख करोड़ रुपए के बीच रहने का अनुमान है।

त्योहारों के समय बढ़ने वाली मांग से ट्रांसपोर्टेशन, लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स डिलीवरी, वेयरहाउसिंग, होटल, रेस्टोरेंट, टूरिज्म, कैटरिंग, इवेंट मैनेजमेंट और लोकल ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टर को फायदा होने की उम्मीद है।

कैट के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, त्योहारों के दौरान होने वाले व्यापार में ग्रोसरी और फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, इसके बाद सोना, चांदी और ज्वेलरी का नंबर आता है जिनकी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल सामान की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, रेडीमेड कपड़े और गिफ्ट आइटम की हिस्सेदारी 7-7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

व्यापारी संगठन ने कहा कि होम डेकोर और फर्नीचर व फर्निशिंग की हिस्सेदारी 5-5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने यूएई के कारोबारी से 2,800 करोड़ रुपए वसूलने के लिए शुरू की प्रक्रिया

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा ने बुधवार को कहा कि वह यूएई के कारोबारी बीआर शेटी ने 2,800 रुपए वसूलने के लिए भारत और यूएई में कोशिशें कर रहा है और उनके खिलाफ कई अदालती आदेश हासिल कर चुका है।

बैंक ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है, जब यूएई आधारित कंपनी एनएमसी हेल्थ के संस्थापक शेटी ने बैंक के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में केस दायर किया है और ग्रुप की कंपनियों से जुड़े कथित फ्रांड के मामले में 15 अरब डॉलर के मुआवजे की मांग की है।

वहीं, सरकारी बैंक की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वह अपने हितों की मजबूती से रक्षा करेगा।

स्टॉक एक्सचेंज में दी गई जानकारी में बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, 'बैंक को ऐसा कोई मुकदमा नहीं मिला है और बैंक उन दावों या



आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता जिनकी अदालत में अभी तक जांच नहीं हुई है। जब बैंक को मुकदमे की सूचना मिलेगी, तो बैंक मजबूती से अपना पक्ष रखेगा और अपने हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा।'

बैंक ने यह भी बताया कि अपने कर्नाटक हाई कोर्ट ने 2021 में शेटी को अपनी संपत्ति का लेनदेन करने या उसे किसी और को ट्रांसफर करने से रोक दिया था। बाद में नेशनल कंपनी लाई ट्रिब्यूनल में हुई कार्यवाही के दौरान शेटी ने कहा था

बड़ी प्राइवेट हेल्थकेयर कंपनी रही एनएमसी को महीनों की फाइनेंशियल गड़बड़ियों के बाद 2020 में एडमिनिस्ट्रेशन के तहत लाया गया था। कंपनी ने 6.6 अरब डॉलर के कर्ज का खुलासा किया, जो पहले के 2.1 अरब डॉलर के अनुमान से कहीं ज्यादा था।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में बताई गई बातें अबू धाबी ग्लोबल मार्केट (एडीजीएम) कोर्ट में चल रही कार्यवाही का भी हिस्सा थीं। इस कोर्ट में शेटी और एनएमसी कोर्ट में बैंक के खिलाफ इसी तरह का मुकदमा दायर किया था, जिसे खारिज कर दिया गया था।

शेटी का आरोप है कि बैंक ऑफ बड़ौदा और उसके कई मौजूदा और पूर्व कर्मचारियों ने एक ऐसे फ्रांड में मदद की, जिसकी वजह से खाड़ी देशों में काम करने वाला हेल्थकेयर ग्रुप डूब गया।

एक समय गल्फ की सबसे बड़ी दिवालिया हो चुके हैं और बैंक का बकाया नहीं चुका सकते। बैंक ने आगे कहा कि शेटी ने पहले भी न्यूयॉर्क राज्य की सुप्रीम कोर्ट में बैंक के खिलाफ इसी तरह का मुकदमा दायर किया था, जिसे खारिज कर दिया गया था।

शेटी का आरोप है कि बैंक ऑफ बड़ौदा और उसके कई मौजूदा और पूर्व कर्मचारियों ने एक ऐसे फ्रांड में मदद की, जिसकी वजह से खाड़ी देशों में काम करने वाला हेल्थकेयर ग्रुप डूब गया।

एक समय गल्फ की सबसे

बड़ी प्राइवेट हेल्थकेयर कंपनी रही एनएमसी को महीनों की फाइनेंशियल गड़बड़ियों के बाद 2020 में एडमिनिस्ट्रेशन के तहत लाया गया था। कंपनी ने 6.6 अरब डॉलर के कर्ज का खुलासा किया, जो पहले के 2.1 अरब डॉलर के अनुमान से कहीं ज्यादा था।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में बताई गई बातें अबू धाबी ग्लोबल मार्केट (एडीजीएम) कोर्ट में चल रही कार्यवाही का भी हिस्सा थीं। इस कोर्ट में शेटी और एनएमसी कोर्ट में बैंक के खिलाफ इसी तरह का मुकदमा दायर किया था, जिसे खारिज कर दिया गया था।

शेटी का आरोप है कि बैंक ऑफ बड़ौदा और उसके कई मौजूदा और पूर्व कर्मचारियों ने एक ऐसे फ्रांड में मदद की, जिसकी वजह से खाड़ी देशों में काम करने वाला हेल्थकेयर ग्रुप डूब गया।

एक समय गल्फ की सबसे

सितंबर में थोक महंगाई में तेज उछाल, डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति बढ़कर 11.39 प्रतिशत पहुंची, आउटपुट पीपीआई भी बढ़ा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। देश में थोक महंगाई सितंबर 2026 में और बढ़ गई है। बुधवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, थोक मूल्य सूचकांक (होलसेल प्राइस इंडेक्स-डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति सितंबर 2026 में बढ़कर 11.39 प्रतिशत हो गई, जो अगस्त 2026 में 9.92 प्रतिशत थी। यह लगातार बढ़ती लागत और कच्चे माल की कीमतों के दबाव को दर्शाता है।

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह लगातार दूसरा महीना है जब थोक महंगाई में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सितंबर में सभी वस्तुओं का संयुक्त थोक मूल्य सूचकांक बढ़कर 112.5 पर पहुंच गया, जो



अगस्त में 110.8 था। आंकड़ों के मुताबिक, महंगाई का दबाव केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्राथमिक वस्तुओं, इंधन और

ऊर्जा तथा विनिर्माण क्षेत्र तीनों में कीमतों में वृद्धि देखने को मिली। सितंबर में प्राथमिक वस्तुओं की मुद्रास्फीति 8.67 प्रतिशत, इंधन

उत्पादों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। अगस्त में ये दरें क्रमशः 7.76 प्रतिशत, 22.93 प्रतिशत और 8.37 प्रतिशत थीं। इससे स्पष्ट है कि लागत का दबाव उत्पादन शृंखला के विभिन्न स्तरों पर मौजूद है। प्राथमिक वस्तुओं का सूचकांक 120.3, इंधन एवं ऊर्जा का 110.5 और विनिर्मित उत्पादों का 110.2 दर्ज किया गया, जो अगस्त के मुकाबले अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, खनिज तेल, खाद्य पदार्थ, कच्चा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, कोयला एवं लिग्नाइट, बेसिक मेटलस, रसायन, वस्त्र, रबर एवं प्लास्टिक उत्पाद तथा विद्युत उपकरणों की कीमतों में बढ़ोतरी थोक महंगाई को ऊपर ले जाने वाले प्रमुख कारक रहे।

40 साल का श्याम दिन भर में 5 चम्मच चावल और 3 रोटी खाता है, फिर भी ब्लड शुगर का मीटर रहता है हाई?



श्याम 40 साल का है. वह मल्टीनेशनल कंपनी में काम करता है. पिछले कुछ दिनों से वह परेशान है. उसका फास्टिंग ब्लड शुगर 140 को पार कर जाता है. शुगर के डर से वह सिर्फ 5 चम्मच चावल और 3 चम्मच रोटी खाता है. इसके बावजूद ये हाल है. आखिर ऐसा क्यों होता है. आइए इसके बारे में सी के बिड़ला अस्पताल में डायबेट्स, ओबेसिटी एंड मेटाबोलिक क्लीनिक के डायरेक्टर डॉ. पारस अग्रवाल से

जानते हैं. यह कहानी थोड़ा हटके है. इससे पहले ये बता दूँ कि अब इस बात का कोई मतलब नहीं कि डायबिटीज 50 या 60 साल के बाद के लोगों को होती है. यहां 40 साल के श्याम की कहानी बता रहा हूँ. श्याम डायबिटीज की चपेट में हैं. साल भर पहले ही उसे पता चला कि उसे डायबिटीज है. तब से वह पूरी तरह परहेज में रहता है. वह कभी भी अब मीठी चीजें नहीं खाता. यहां

तक कि चावल भी वह चार से पांच चम्मच पूरे दिन में खाता है और सिर्फ 3 रोटियां खाता है. जब वह पहली बार टेस्ट कराया था तो फास्टिंग ब्लड शुगर 160 था और HbA1c 6.9 था. अब जब वह परहेज करने लगा है तो HbA1c 6.7% रह गया है लेकिन फास्टिंग ब्लड शुगर 140 से कम नहीं हो रहा है. आखिर इसका क्या कारण है कि शुगर नहीं घट रही है. यही सवाल हमने सी के बिड़ला अस्पताल में

डायबेट्स, ओबेसिटी एंड मेटाबोलिक क्लीनिक के डायरेक्टर डॉ. पारस अग्रवाल से जानना चाहा. पहला कारण इंसुलिन रेजिस्टेंस डॉ. पारस अग्रवाल ने बताया कि अगर श्याम हेल्दी है और पूरी तरह से परहेज में रहता है, इसके बावजूद ब्लड शुगर 140 से नीचे नहीं आती तो इसका मतलब है कि श्याम टाइप 2 डायबिटीज का शिकार हो गया है. ऐसे मामलों में सबसे ज्यादा इंसुलिन रेजिस्टेंस का जोखिम रहता है. मतलब इंसुलिन तो बनता है लेकिन वह सही से काम नहीं कर रहा है. इंसुलिन एक हार्मोन है जो कार्बोहाइड्रेट या शुगर को पचाकर उसे एनर्जी में बदल देता है. जब यह एनर्जी में नहीं बदलेगा तो शुगर खून में बढ़ता जाएगा. यही श्याम के साथ हो रहा होगा. अब यह समझिए कि इंसुलिन रेजिस्टेंस क्यों हो जाता है. डॉ. पारस अग्रवाल ने बताया कि इंसुलिन एक कैरियर है और यह खून से ग्लूकोज को ढोकर मांसपेशियों तक पहुंचाता है जहां यह एनर्जी में बदल जाता है. लेकिन रेजिस्टेंस की वजह से मांसपेशियों की कोशिकाओं में पहुंच ही नहीं पाता. यह ठीक उसी तरह है जैसे आप एक ट्रक से सामान लेकर बाँहर जा रहे हैं लेकिन वहां जाने से पहले आपको रोक दिया जाता है क्योंकि आपके पास गेट पास नहीं है. नतीजतन सामान ट्रक में ही फंसा रहता है या ट्रक से बाहर कहीं रख दिया जाता है. ठीक इसी तरह इंसुलिन तो बनता है लेकिन मांसपेशियों वाली कोशिकाओं की सतह पर मौजूद इंसुलिन रिसेप्टर्स सही से काम नहीं करते. इसलिए इंसुलिन रेजिस्टेंस की स्थिति में कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति संवेदनशील नहीं रह जातीं. इससे यह रिसेप्टर-लिंगेंड बाइंडिंग और सिग्नलिंग को बाधित कर देता है. परिणामस्वरूप, ग्लूकोज कोशिकाओं के अंदर प्रवेश नहीं कर पाता और खून में ही जमा रहता है. दूसरा कारण लिवर ग्लूकोज बनाने लगता

डॉ. पारस अग्रवाल बताते हैं कि इसका दूसरा कारण लिवर के स्तर पर रेजिस्टेंस होगा. आमतौर पर ऐसे मरीजों का वजन थोड़ा बढ़ा हुआ होगा और उसे फैटी लिवर डिजॉज भी हो सकता है. दरअसल, जब हम रात भर सोते हैं तो उस दौरान शरीर में एनर्जी प्रदान करने की जिम्मेदारी लिवर की होती है. सामान्य स्थिति में इंसुलिन हार्मोन लिवर को रात में अतिरिक्त ग्लूकोज रिलीज करने से रोकता है. लेकिन इंसुलिन रेजिस्टेंस की स्थिति में लिवर पर इंसुलिन का नियंत्रण कमजोर हो जाता है।

सिंधु सभ्यता से वैश्विक बाजार तक भारत के सूत की यात्रा



आचार्य ललित मुनि

हमारे घरो में कपास का उपयोग इतना सामान्य है कि हम उसके बारे में सोचते भी नहीं। दीपक की बाती में, आरती की थाली में, कमीज के कपड़े में, बिस्तर की चादर में, तौलिये में, बच्चे के पहनने के कपड़े में और कभी घाव पर रखी जाने वाली पट्टी में भी सूत हमारे साथ रहता है।

खेत में कपास का पौधा खड़ा होता है तो वह एक फसल दिखाई देता है, लेकिन उसके फूल से निकला सूत जब धागा बनकर कपड़े तक पहुंचता है, तब उसका रूप ही बदल जाता है। यही धागा कभी व्यापारी के माल के साथ समुद्र पार गया, कभी यूरोप के बाजार में भारतीय कपड़ों की पहचान बना।

कपास के महत्व को हमें हजारों वर्ष पीछे जाना पड़ेगा, उस समय तक जब न आधुनिक मिलें हों, न मशीन से चलने वाले कपड़े और न वैश्विक बाजार की आज

जैसी कोई स्थिति, तब तन ढंकने के लिए सूत का कपड़ा ही सहायक था। मेहरगढ़ की एक प्राचीन कब्र में तांबे के मनके के भीतर सुरक्षित मिले कपास के सूत से हमें इसकी प्राचीनता ज्ञात होती है। आगे चलकर सिंधु सभ्यता के नगरों में यही सूती धागे और वस्त्र का रूप ले चुके थे।

बुनकरों के हाथों से बने भारतीय सूती कपड़े समुद्री रास्तों से दूर देशों तक पहुंचे। भरूच जैसे बंदरगाहों से उनका व्यापार हुआ। यूरोप में भारतीय कपड़ों की ऐसी मांग बनी कि वहां के अपने वस्त्र उद्योग को उनसे प्रतिस्पर्धा महसूस होने लगी। लेकिन इतिहास एक जगह ठहरता नहीं। मशीनें आईं और कपड़े के उत्पादन का ढंग बदल गया। भारत, जो कभी तैयार सूती कपड़ों का बड़ा निर्यातक था, धीरे-धीरे ब्रिटिश मिलों के लिए कच्ची कपास देने वाले देश में बदलता गया।

और फिर इसी कपास का एक दूसरा रूप सामने आया। गांधी के हाथ में चरखा आया। कपास का धागा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं रहा, वह स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की आवाज बन गया। आज 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर कपास को केवल एक फसल की तरह देखना उसके इतिहास को बहुत छोटा कर देना होगा। इसके साथ किसान की मेहनत है, बुनकर का हुनर है, समुद्री प्राचीन व्यापार की यादें हैं, औद्योगिक परिवर्तन है और स्वतंत्रता आंदोलन का एक महत्वपूर्ण अध्याय भी है।

कपास के प्राचीन इतिहास की महत्वपूर्ण कड़ी तत्कालीन भारत एवं वर्तमान पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र में स्थित मेहरगढ़ से मिलती है। वहां छठी सहस्राब्दी ईसा पूर्व की एक कब्र में मिले तांबे के मनके के भीतर कुछ रेशे सुरक्षित मिले थे। सूक्ष्मदर्शी जांच में इन्हें त्रिशद्विचतुष्टय, यानी कपास के रेशों के रूप में पहचाना गया। 2002 में प्रकाशित शोध ने इसे पुरानी दुनिया में कपास के सबसे प्राचीन ज्ञात प्रमाण के रूप में दर्ज किया।

इसके बाद मोहनजोदड़ो से कपास के वस्त्र का प्रमाण मिलता है। एक चांदी के पात्र के ढक्कन से निपके कपड़े के टुकड़े की चांदी के लवणों ने बचा लिया था। जांच में उसके रेशे कपास के पाए गए और इसका काल लगभग 3000 से 2750 ईसा पूर्व माना गया। सिंधु सभ्यता के लोग कपास के रेशे को धागे और वस्त्र में बदलना जानते थे।

पाणिनि की अष्टाध्यायी, कौटिल्य के अर्थशास्त्र और बौद्ध साहित्य में बुनाई, सूत और वस्त्रों से जुड़े उल्लेख मिलते हैं।

नैनीताल-मसूरी नहीं, बागेश्वर की इस जगह से दिखता है हिमालय का 180 डिग्री व्यू, सूर्योदय होते ही बदल जाता है नजारा



उत्तराखंड में एक ऐसी जगह है, जहां से हिमालय की कई बर्फीली चोटियां एक साथ नजर आती हैं. बागेश्वर का कौसानी समुद्र तल से करीब 1,890 मीटर की ऊंचाई पर बसा है और यहां से साफ मौसम में हिमालय का करीब 180 डिग्री का नजारा दिखाई देता है. सुबह सूरज की पहली किरणें जब बर्फ से ढकी चोटियों पर पड़ती हैं, तो पहाड़ सुनहरे रंग में चमकने लगते हैं. यहां से नंदा देवी, त्रिशूल और पंचचूली जैसी प्रमुख चोटियां भी देखी जा सकती हैं. महात्मा गांधी से जुड़ा अनासक्ति आश्रम भी कौसानी की खास पहचान है. जानिए हिमालय दर्शन के लिए मशहूर इस हिल स्टेशन में क्या-क्या खास है.

उत्तराखंड में कई ऐसी जगहें हैं, जहां पहुंचकर पहाड़ों की खूबसूरती को करीब से महसूस किया जा सकता है. इन्हीं में से एक है बागेश्वर जिले का कौसानी. यहां दूर-दूर तक फैले पहाड़, शांत माहौल और बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियां पर्यटकों का मन मोह लेती हैं. समुद्र तल से करीब 1,890 मीटर की ऊंचाई पर बसा कौसानी खास तौर पर हिमालय दर्शन के लिए जाना जाता है. साफ मौसम में यहां से हिमालय की करीब 180 डिग्री तक फैली पर्वत श्रृंखला दिखाई देती है. अगर आप पहाड़ों के बीच कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं, तो कौसानी घूमने के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है. स्थानीय जानकार और वरिष्ठ पत्रकार विपिन जोशी बताते हैं कि कौसानी की सबसे बड़ी खासियत यहां से दिखाई देने वाला हिमालय का विस्तृत नजारा है।

36 दिन जेल में रहे, फिर मैदान पर जड़ा शतक, अभिषेक पोरेल की जिंदगी से सीखें मुश्किल वक्त में संभलने के 7 तरीके



अभिषेक पोरेल ने जेल में करीब 36 दिन बिताने के बाद जमानत पर बाहर आकर रणजी ट्रॉफी में शतक लगाया. उनकी कहानी मुश्किल वक्त में खुद को संभालने, भावनाओं को स्वीकार करने, अपने लक्ष्य पर ध्यान देने और नई शुरुआत के मौके पहचानने की सीख देती है. जिंदगी में कुछ ऐसे दौर आते हैं, जब इंसान के लिए अपने रोजमर्रा के काम करना भी मुश्किल हो जाता है. भविष्य की चिंता, लोगों की बातें और हालात का

दबाव मन को परेशान कर सकता है. ऐसे में खुद को संभालना और जिंदगी में आगे बढ़ने की कोशिश जारी रखना आसान नहीं होता. बंगाल के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की कहानी भी एक ऐसे मुश्किल दौर से जुड़ी है, जिसने उनके क्रिकेट कैरियर और निजी जिंदगी को प्रभावित किया. करीब 36 दिन जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आए अभिषेक ने रणजी ट्रॉफी में वापसी की और दिल्ली के खिलाफ नाबाद शतक लगाया. शतक पूरा करने के

बाद वह मैदान पर भावुक हो गए. उनकी इस वापसी से मुश्किल समय में खुद को संभालने की 7 बातें सीखी जा सकती हैं. अभिषेक पोरेल घरेलू क्रिकेट में बंगाल और आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल चुके विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं. साल 2026 में वह एक गंभीर कानूनी मामले के चलते चर्चा में आए. एक महिला की शिकायत पर उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ और उन्हें गिरफ्तार किया गया. करीब 36 दिन जेल में रहने के बाद सितंबर

2026 में उन्हें जमानत मिली. इसके बाद रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने नाबाद 114 रन बनाए. शतक पूरा करने के बाद अभिषेक भावुक हो गए. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने बताया कि वह रोना नहीं चाहते थे, लेकिन अपने आंसू रोक नहीं पाए. उन्होंने यह भी कहा कि मुश्किल दौर ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया है. हालांकि, उनके खिलाफ लगे आरोपों पर अंतिम फैसला अदालत की प्रक्रिया के बाद ही होगा. अभिषेक पोरेल की जिंदगी से सीखने वाली 7 बातें

1. मुश्किल समय में खुद को पूरी तरह अकेला न पड़ने दें जब जिंदगी में कोई बड़ी परेशानी आती है, तो इंसान कई बार दूसरों से बात करना बंद कर देता है. उसे लगता है कि कोई उसकी स्थिति नहीं समझेगा. लेकिन परेशानी के समय भरोसेमंद लोगों से बात करना मन का बोझ कम करने में मदद कर सकता है. अभिषेक का मुश्किल दौर हमें याद दिलाता है कि मानसिक रूप से संभले रहना कितना जरूरी है. अगर आप भी किसी परेशानी से गुजर रहे हैं, तो खुद को सबसे अलग करने के बजाय परिवार, दोस्तों या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करें।

कामकाजी मां हैं? बच्चों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अपनाएं ये 7 आसान तरीके



कामकाजी माताओं के लिए बच्चों के साथ संतुलन बनाना चुनौती है. बच्चों को आत्मविश्वासी और जिम्मेदार बनाने के लिए 7 आसान तरीकों से कम समय में भी बेहतर परिणाम मिल सकते हैं. तो आप इस तरह दोनों के बीच ही सही तालमेल बना सकते हैं.

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कामकाजी माताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है ऑफिस और परिवार के बीच संतुलन बनाना. कई बार मां को लगता है कि व्यस्तता की वजह से वह बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही हैं. हालांकि बच्चों का मनोबल बढ़ाने और उन्हें जिम्मेदार बनाने के लिए घंटों साथ रहना जरूरी नहीं है, बल्कि आपके साथ बिताए गए कुछ अच्छे पल भी बड़ा असर डाल सकते हैं. आइए जानते हैं ऐसे 7 आसान तरीके, जो बच्चों को आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और मेहनती बनाने में मदद कर सकते हैं.

1. हर दिन क्वालिटी टाइम दें चाहे दिन कितना भी व्यस्त क्यों न हो, बच्चों के साथ कम से कम 20 से 30 मिनट जरूर बिताएं इस दौरान उनसे स्कूल, दोस्तों और दिनभर के अनुभवों के बारे में बात करें. इससे बच्चे भावनात्मक रूप से मजबूत बनते हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है.

2. बच्चों की छोटी उपलब्धियों की सराहना करें बच्चा यदि कोई छोटा काम भी अच्छी तरह करता है, तो उसकी तारीफ जरूर करें. चाहे वह होमवर्क समय पर पूरा करना हो या कमरे को व्यवस्थित रखना. आपकी प्रशंसा उसे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी।

वीकेंड पर भूख लगे तो बनाएं बाजार जैसा पनीर रैप, हर बाइट में मिलेगा चटपटा स्वाद

वीकेंड ब्रंच के लिए पनीर रैप एक स्वादिष्ट और आसान विकल्प है. दही और मसालों में मैरीनेट किया पनीर, पसंदीदा सब्जियां, चटनी और सांस मिलाकर इसे घर पर तैयार किया जा सकता है. रोटी या परांठे में फिलिंग भरें और तवे पर सेंककर गार्मार्म परोसें.

वीकेंड पर देर से उठने के बाद नाश्ता बनाने का मन नहीं करता, लेकिन भूख लगने पर कुछ चटपटा और टेस्टी खाने का मन जरूर होता है. ऐसे में रोज की रोटी-सब्जी की जगह पनीर रैप एक अच्छा ऑप्शन है. इसे बनाने के लिए घर में मौजूद आटा, पनीर और कुछ सब्जियों का इस्तेमाल कर सकते हैं. दही और मसालों में मैरीनेट किया हुआ पनीर, कुरकुरी सब्जियां और चटपटी चटनी इसके स्वाद को और बढ़ा देती हैं.

खास बात यह है कि इसे बनाना मुश्किल नहीं है और आप अपनी पसंद के हिसाब से इसकी फिलिंग



तैयार कर सकते हैं. बच्चों के टिफिन से लेकर वीकेंड ब्रंच तक, पनीर रैप कई मौकों पर काम आ सकता है. आइए जानते हैं इसे घर पर बनाने का आसान तरीका.

पनीर रैप बनाने के लिए सामग्री

1. पनीर - जरूरत के अनुसार
2. गेहूं का आटा -रोटी या परांठे बनाने के लिए
3. गाढ़ा दही -2-3 चम्मच

4. प्याज -1
5. शिमला मिर्च -1
6. टमाटर -1
7. हल्दी -थोड़ी सी
8. कश्मीरी लाल मिर्च -स्वाद

के अनुसार

9. काली मिर्च और नमक - स्वाद के अनुसार
10. हरा धनिया -थोड़ा सा
11. हरी चटनी -जरूरत के अनुसार
12. टोमेटो सांस और मेयोनीज -जरूरत के अनुसार
13. तेल या बटर -सेंकने के लिए
14. चीज -चाहें तो इस्तेमाल करें

पनीर रैप बनाने का आसान तरीका

1. सबसे पहले पनीर को मैरीनेट करें

पनीर को छोटे-छोटे क्यूब्स में काट लें. अब इसमें 2-3 चम्मच गाढ़ा दही, थोड़ी हल्दी, कश्मीरी लाल मिर्च और नमक डालें. सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें, ताकि पनीर पर मसालों और दही की अच्छी परत चढ़ जाए. इसे करीब 15-20 मिनट के लिए ढक्कर रख दें.

2. पनीर और सब्जियों को पकाएं

एक कड़ाही में थोड़ा तेल गर्म करें और मैरीनेट किए हुए पनीर को हल्का सुनहरा होने तक पकाएं. अब इसमें लंबाई में कटा प्याज और शिमला मिर्च डालें. चाहें तो टमाटर भी मिला सकते हैं. सब्जियों को हल्का नरम होने तक पकाएं, लेकिन उन्हें बहुत ज्यादा गलने न दें. ऊपर से

काली मिर्च और कटा हुआ हरा धनिया डालें. ध्यान रखें कि फिलिंग में ज्यादा पानी न रहे, वरना रैप गीला हो सकता है.

3. रोटी या परांठे तैयार करें

अब गेहूं के आटे से पतली और मुलायम रोटियां बना लें, अगर आपको थोड़ा कुरकुरा और स्वादिष्ट रैप पसंद है, तो हल्का घी लगाकर परांठे भी बना सकते हैं. रोटी या परांठे

को इतना नरम रखें कि उसमें फिलिंग भरकर आसानी से फोल्ड किया जा सके.

4. चटनी और सांस का मिक्स तैयार करें

एक कटोरी में टोमेटो सांस और मेयोनीज मिलाकर रख लें. हरी धनिया चटनी में एक चम्मच दही मिलाने से उसका स्वाद हल्का क्रीमी हो सकता है।



‘क्या हर जमीन पर व्यावसायिक निर्माण जरूरी है’

काजीरंगा में रिजॉर्ट बनाने की योजना पर अदिवि शेष ने उठाए सवाल

मुंबई। साउथ एक्टर अदिवि शेष ने असम सरकार से काजीरंगा के पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील इलाके में प्रस्तावित रिजॉर्ट निर्माण की योजना पर सावधानी से विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे इलाकों में विकास की योजना बनाते समय वन्यजीवों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय लोगों की चिंताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

प्रकृति किसी की निजी संपत्ति नहीं

एक्टर ने इस संबंध में पत्र लिखकर राज्य सरकार से प्रस्तावित निर्माण के असर की समीक्षा करने और जमीन से जुड़ी जानकारी में पारदर्शिता बरतने की मांग की है।

अदिवि शेष ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि प्रकृति किसी की निजी संपत्ति नहीं है बल्कि इंसान कुछ समय के लिए उसका संरक्षक है।



प्रकृति हमारी नहीं है। हम सार्क कुछ समय के लिए इसके संरक्षक हैं।

— अदिवि शेष

काजीरंगा का इकोसिस्टम है अनमोल

उन्होंने कहा, “जब हम काजीरंगा जैसी जगह की बात करते हैं, तो हम सिर्फ किसी नेथनल पार्क या टूरिस्ट डेस्टिनेशन की बात नहीं कर रहे होते। हम एक ऐसे जीवंत इकोसिस्टम की बात कर रहे हैं, जो पीढ़ियों से मौजूद है। यह अनोखे वन्यजीवों का घर है और हमारी ऐसी प्राकृतिक धरोहर है, जो हर भारतीय और कई मायनों में पूरी दुनिया की है।”

एक सींग वाला गैंडा हमारी पहचान

अदिवि ने काजीरंगा के इकोसिस्टम को बचाने की जरूरत पर जोर दिया। यह इलाका एक सींग वाला गैंडा के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा, “एक सींग वाला गैंडा सिर्फ असम की पहचान नहीं है बल्कि यह हमारी शानदार जैव विविधता का प्रतीक है, जिसे बचाने की जिम्मेदारी हम सभी की है।”

हर जमीन पर निर्माण जरूरी नहीं

अदिवि शेष ने कहा, “हमें खुद से पूछना चाहिए कि क्या जमीन के हर हिस्से को व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए विकसित करना जरूरी है? क्या निर्माण से मिलने वाला दूरत फायदा वन्यजीवों और पर्यावरण पर पड़ने वाले धंभे समय के नुकसान के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण है? सरटेनेबल टूरिजम का मतलब प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना उसका अनुभव लेना होना चाहिए।”

अर्जुन बिजलानी ने ऐसे किया था पत्नी नेहा को प्रपोज, बोले-अगर हां कहोगी तो तुम्हारे लिए सब करूंगा

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों अपनी पत्नी नेहा स्वामी के साथ ‘धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीजन 2’ में नजर आ रहे हैं। अभिनेता की पत्नी हाल ही में पूजा बनर्जी के पॉडकास्ट में गई थीं, जहां उन्होंने अपनी लव स्टोरी के बारे में बताया।

नेहा स्वामी ने बताया कि उनकी अर्जुन से पहली मुलाकात तब हुई थी, जब वह छुट्टियां मनाने अपनी मौसी के घर मुंबई में गई थीं। वीजा के लिए जाने से एक-दो घंटे पहले वह अर्जुन से मिली थीं। उस वक्त अर्जुन ने एक्टिंग करियर शुरू भी नहीं किया था। दूसरी बार मिलने पर अर्जुन ने उनसे पूछा कि वह कहां से हैं और क्या करती हैं। नेहा ने बताया कि वह अपनी मौसी से मिलने आई हैं और फिलहाल कुछ नहीं कर रही हैं।

नेहा ने बताया, ‘अर्जुन को मेरा नंबर एक दोस्त के जरिए मिला था। उसने मुझे कॉल किया और सोधे कह दिया कि मैं तुम्हें पसंद करता हूं, तुम्हारा बॉयफ्रेंड बनना चाहता हूं और तुम्हें अभी हां कहना होगा।’

नेहा अर्जुन की इस ज़िद को देखकर हैरान रह गईं। उन्होंने अर्जुन से पूछा कि वह क्या करते हैं। इस पर अर्जुन ने कहा, ‘अभी तो कुछ नहीं करता लेकिन अगर तुम हां गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड हैं और कहा, ‘अब से तुम मुझे बेबी कहकर



करूंगा।’

नेहा ने बताया कि अर्जुन की यही बात उनके दिल को छू गई और उन्होंने हां कह दिया। लेकिन अर्जुन तुरंत रिश्ते को ऑफिशियल करने पर अड़ गए। जब नेहा ने सोचने के लिए वक्त मांगा तो अर्जुन बोले कि जवाब अभी देना होगा। जैसे ही नेहा मानीं, अर्जुन ने ऐलान कर दिया कि अब वे गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड हैं और कहा, ‘अब से तुम मुझे बेबी कहकर

बुलाओगी।’

अभिनेता अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी ने काफी समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शादी का फैसला किया और 20 मई 2013 में शादी की थी। कपल का एक बेटा है, जिसका नाम अयान बिजलानी है। हालांकि, बीच में दोनों के तलाक की खबरें उड़ी थीं लेकिन अभिनेता अर्जुन ने स्पष्ट कर सभी बताया कि उनकी शादी बहुत अच्छी चल रही है।

नकुल धुल के एक्विशन पर एल्विश यादव ने दी प्रतिक्रिया, बोले- देखकर दुख हुआ



बिग बॉस देखा। नियम बदल गए हैं, अब शायद जो भी घर में बड़े या समझदार की तरह रहता है उसे ही निकाल देते हैं। दुख हुआ देखकर।’

एल्विश यादव के इस कमेंट ने सोशल मीडिया पर टकराव और भी ज्यादा बढ़ा दिया है, जिससे दोनों के फैंस के बीच सोशल मीडिया वॉर छिड़ गया है। जहां एक तरफ एल्विश यादव गुल्लू के साथ खड़े हैं, वहीं दूसरी ओर रजत दलाल और लक्ष्य चौधरी जैसे बड़े नाम इस लड़ाई में नकुल धुल के गेमप्ले और उनके इम्पैक्ट का समर्थन करते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, काजी तौकीर ने स्काउट ओपी के बारे में कुछ कहा था, जिसे लेकर नकुल धुल ने स्काउट के सामने यह बात उठाई। जब काजी और स्काउट के बीच बहस हो रही थी, तब गुल्लू (कुशल तंवर) बीच-बचाव करने और मामला शांत कराने पहुंचे। नकुल धुल इस बात पर भड़क गए कि गुल्लू उन्हें समझाने वाले कौन होते हैं। बहस इतनी बढ़ी कि नकुल और गुल्लू के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई हो गई। घर के सदस्यों के बीच-बचाव के बावजूद, फिजिकल वायलेंस (हिंसा) के नियमों के चलते बिग बॉस ने नकुल धुल को तुरंत घर से बाहर (बेचर) कर दिया।

विश्व केसरी■

मुंबई। रियलिटी शो ‘बिग बॉस-20’ के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नकुल धुल (मिद्धू डॉन) और गुल्लू (कुशल तंवर) के बीच तीखी हाथापाई हो गई। इसी पूरे ड्रामे पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी-2 के विनर एल्विश यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

बताया जा रहा है कि दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि

मामला हाथापाई तक पहुंच गया। इस शारीरिक हिंसा के बाद शो के नियमों के मुताबिक मेकर्स ने नकुल धुल को घर से बाहर निकाल दिया है। इसी पूरे मामले पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव ने अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने नकुल को इंडायरेक्टली तंज कसा। एल्विश यादव ने लिखा, ‘बहुत दिनों बाद आज

लॉ की पढ़ाई और थिएटर का एक कोर्स... सारा अली खान ने शो में सुनाया एक्ट्रेस बनने का सफर



विश्व केसरी■

मुंबई। एक्ट्रेस सारा अली खान ने बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत की है। एक समय ऐसा था, जब उनका वजन करीब 100 किलो हुआ करता था। उस वक्त सारा कोलंबिया यूनिवर्सिटी में हिस्ट्री की पढ़ाई कर रही थीं और आगे लॉ की डिग्री लेने का प्लान बना

रही थीं। यूनिवर्सिटी में थिएटर कोर्स के दौरान उनके अंदर एक्टिंग को लेकर पुराना जुनून फिर जाग उठा। इसके बाद उन्होंने एक्ट्रेस बनने के लिए मेहनत करने का फैसला किया। सारा ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान अपने इस सफर के बारे में बताया।

सारा अली खान ने यह बात

अनिल कपूर के शो ‘इंडिया के टॉप 1 पर्संट’ में बातचीत के दौरान बताई। शो में अनिल ने उनसे पूछा कि उन्होंने एक्ट्रेस बनने का फैसला कब किया था। इस सवाल के जवाब में सारा ने कहा, ‘मैं बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थी। लेकिन मुझे पढ़ाई करना भी बहुत पसंद था। मैं कोलंबिया यूनिवर्सिटी गई थी, जहां हिस्ट्री की

पढ़ाई की। मैंने सोचा था कि वहाँ से लॉ की डिग्री भी ले लूँगी।’

सारा ने कहा, ‘यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान मैंने थिएटर का कोर्स किया था। इस कोर्स ने मुझे एक्टिंग के करीब आने का मौका दिया। जब मैं स्टेज पर पहुँचीं और परफॉर्म किया, तो मुझे महसूस हुआ कि एक्ट्रेस बनने का मेरा बचपन का सपना अब भी मेरे अंदर मौजूद है। यही वह समय था, जब मैंने इस दिशा में आगे बढ़ने के बारे में सोचा और खुद से कहा कि कम से कम एक कोशिश तो करनी ही चाहिए। इस तरह यह सब शुरू हुआ। उस समय मेरा वजन करीब 100 किलो था।’

शो में एक्टर आयुष्मान खुराना भी शामिल हुए। वह अपनी आने वाली फिल्म ‘उड़ता तीर’ के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। बातचीत के दौरान अनिल कपूर ने उनसे भी पूछा कि उन्होंने एक्टर बनने का फैसला कब किया था। इस पर आयुष्मान ने मजाकिया अंदाज में कहा, ‘जब मैंने आपको देखा, तभी मुझे एक्टिंग से प्यार हो गया।’

इसके बाद अनिल कपूर ने आयुष्मान से पूछा कि उन्हें सबसे ज्यादा प्रोत्साहन किससे मिला। अभिनेता ने इसका श्रेय अपने पिता को दिया। उन्होंने कहा, ‘मेरे पिता मुझे बहुत प्रोत्साहित करते थे। बचपन से ही उन्होंने मेरा हौसला बढ़ाया। मैं मिलेनियल हूँ और हमारे समय में लोग फिल्म इंडस्ट्री में आने की कोशिश भी नहीं करते थे।

काजी तौकीर के सपोर्टर से बनीं आलोचक, गौहर खान ने थूकने वाली हरकत पर जताई नाराजगी

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री गौहर पिछले काफी समय से ‘बिग बॉस-20’ कंटेस्टेंट काजी तौकीर का समर्थन करती नजर आ रही थीं लेकिन बुधवार को कुछ अलग ही देखने को मिला। दरअसल, शो में काजी तौकीर ने कंटेस्टेंट स्काउट के कान पर थूक दिया था, जिस पर गौहर खान ने अपनी नाराजगी जताई है। गौहर खान ने कहा कि काजी तौकीर पर तंज कसते हुए कहा कि जब किसी की बहुत ज्यादा तारीफ होती है तो डर रहता है कि कहीं वो घर्मंड में न आ जाए। अभिनेत्री ने

इस बात पर भी जोर दिया कि शो की उन्होंने कहा था कि काजी कभी गलत नहीं करेंगे लेकिन अब उनका मजाक हद से ज्यादा बढ़ रहा है। अभिनेत्री ने कहा, ‘जब आपकी बहुत ज्यादा तारीफ होने लगती है, तो कई बार डर लगता है कि कहीं यह तारीफ सर पर न चढ़ जाए। मैंने बिग बॉस के पहले हफ्ते में ही कहा था कि काजी कभी कुछ गलत नहीं करेगा और न ही गलत रास्ते पर जाएगा।

अभिनेत्री ने काजी द्वारा स्काउट के कान पर थूकने पर उन्हें संभल कर चलने की चेतावनी दी और कहा कि उनका ये बर्ताव

बिल्कुल सही नहीं है। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि काजी का मजाक हद से ज्यादा बढ़ रहा है। गौहर खान ने कहा, ‘उसके कान में थूकना या उसके बारे में ऐसी बातें करना बहुत गलत है। मैं सच में उम्मीद करती हूँ कि ‘वोकेंड का वार’ में सलमान सर काजी को यह बात जरूर समझाएं कि जो मजाक चल रहा है, वह थोड़ा ज्यादा हो रहा है। यह अब एक जैसा और थोड़ा चिढ़ाने वाला लग रहा है। दरअसल, बिग बॉस 20 में काजी तौकीर और कंटेस्टेंट स्काउट के बीच टास्क के दौरान बहस और हाथापाई हुई थी।

वियतनाम में बाइक ट्रिप करती नजर आई एक्ट्रेस मीनाक्षी चौधरी, बोलीं- खुद को दोबारा पा लिया

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी हाल ही में अपनी वियतनाम ट्रिप करके वापस लौटी हैं। अभिनेत्री ने अपनी इस ट्रिप का अनुभव शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने वियतनाम की अपनी छुट्टियों के दौरान बाइक ट्रिप की थी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें उन्होंने लिखा, ‘यह ट्रिप मैंने ऐसे समय पर की, जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। बाइक पर सवार होकर प्रकृति की गोद में जाना मेरे सबसे रोमांचक अनुभवों में से एक था। रास्ते में कुछ शानदार लोगों से मिली और मुझे लगता है कि इस दौरान मैंने खुद को दोबारा पा लिया। मैंने हा गियांग लूप किया, जो तीन दिन की बाइक ट्रिप थी। यहां सबसे खूबसूरत नजारे देखने को मिले।

अभिनेत्री की बात करें, तो वह जल्द ही अभिनेता नागा चैतन्य के साथ फिल्म ‘वृषकर्म’ में नजर आएंगी। हालांकि, पहले फिल्म के नाम का खुलासा नहीं किया गया



था। इसे अस्थायी तौर पर ‘एनसी24’ कहा जा रहा था, बाद में इसका नाम ‘वृषकर्म’ रखा गया।

मीनाक्षी चौधरी इस फिल्म में ‘दक्ष’ नाम की एक पुरातत्वविद की भूमिका निभा रही हैं, जो पीएचडी कर रही हैं और अपने

प्रोफेसर की किसी बड़ी खोज में मदद करती हैं। फिल्म में नागा चैतन्य और मीनाक्षी चौधरी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि ‘लापता लेडीज’ फेम स्पेश श्रीवास्तव इसमें खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। इनके अलावा जयराम और सत्या भी अहम किरदारों में हैं।

निर्माण बीबीएसएन प्रसाद के श्री वेंकटेश्वर सिने चित्रा बैनर तथा सुकुमार राइटिंग्स द्वारा किया गया है। कार्तिक दंडु द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण बीबीएसएन प्रसाद कर रहे हैं। फिल्म की कहानी निर्देशक सुकुमार ने लिखी, सिनेमैटोग्राफी नील डी कुन्हा ने की है और संगीत अजनीश लोकनाथ ने दिया है।

फिल्म का संपादन नेशनल अवॉर्ड विजेता एडिटर नवीन नूली कर रहे हैं, जबकि आर्ट डायरेक्शन श्री नागेंद्र तंगाला का है, जिन्होंने ‘थंडेल’ का भी आर्ट डायरेक्शन संभाला था। यह फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भारत-कनाडा रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे: विदेश मंत्री जयशंकर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में अपनी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद के साथ बैठक की। दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, शिक्षा, ऊर्जा, रक्षा और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की।

बैठक के बाद, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और कनाडा दोनों देशों का नेतृत्व और पारस्परिक संवाद रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा, 'आज नई दिल्ली में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मिलकर खुशी हुई। हमने व्यापार और निवेश, शिक्षा, ऊर्जा, रक्षा और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में अपने संबंधों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही, प्रमुख क्षेत्रों और जयशंकर के साथ हुई उस बैठक को याद किया। उन्होंने आगे कहा, 'अपने नेतृत्व और



सरकार तथा उद्योग जगत के साथ लगातार थे। बातचीत के जरिए हम अपनी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।'

इससे पहले अनीता आनंद ने 2025 में अपनी भारत यात्रा के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर के साथ हुई उस बैठक को याद किया, जिसमें वे कनाडा-भारत संबंधों के

लिए एक संयुक्त रोडमैप बनाने पर सहमत हुए थे। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय सहयोग में हो रही प्रगति को देखकर वो बेहद उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा कि कनाडा और भारत के बीच जुड़ाव भविष्य की समृद्धि को आकार देने और एक स्वतंत्र, खुले और समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में योगदान करने का अवसर

प्रदान करता है, खासकर ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में बड़े बदलाव हो रहे हैं। आनंद ने एक्स पोस्ट में कहा, 'ठीक एक साल पहले नई दिल्ली में, मैंने कनाडा-भारत संबंधों के लिए एक संयुक्त रोडमैप तैयार करने के लिए अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, 'आज लौटकर यह देखकर उत्साहित हूँ कि हमने कितनी प्रगति की है। व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने से लेकर ऊर्जा, नवाचार और सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तक, दोनों देश कई मोर्चों पर आगे बढ़े हैं।'

कनाडाई विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और कनाडा के संबंधों का वास्तविक महत्व इस बात में है कि दोनों देश मिलकर क्या हासिल कर सकते हैं। ऐसे समय में, जब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में व्यापक बदलाव हो रहे हैं, भारत और कनाडा के बीच मजबूत होते संपर्क भविष्य की समृद्धि को आकार देने और स्वतंत्र, खुले तथा समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र में योगदान देने का अवसर प्रदान करते हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो आएंगे भारत, ऊर्जा सहयोग पर होगी चर्चा

विश्व केसरी■

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो अगले हफ्ते मुंबई और जामनगर की यात्रा पर आएंगे। इस दौरान 'बेहतर ऊर्जा सहयोग' पर चर्चा होगी। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह जानकारी दी है। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब रूस से ऊर्जा खरीदने वालों पर जुर्माना लगाने की वाशिंगटन की समय सीमा नजदीक आ रही है।

विदेश विभाग ने एक मीडिया नोट में कहा कि मार्को रुबियो 17 से 22 अक्टूबर तक उज्बेकिस्तान के समरकंद और भारत के मुंबई और जामनगर की यात्रा करेंगे।

विभाग ने कहा, 'विदेश मंत्री इस साल अपनी दूसरी आधिकारिक यात्रा के लिए भारत जाएंगे। वह वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे ताकि अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को मजबूत किया जा सके, क्षेत्रीय और वैश्विक हालात पर विचारों का आदान-प्रदान



हो सके और बेहतर ऊर्जा सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की जा सके।'

मीडिया नोट में आगे कहा गया, 'विदेश मंत्री मार्को रुबियो व्यावसायिक निवेश और आर्थिक सहयोग के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए व्यापारिक नेताओं से भी मिलेंगे। गुजरात का जामनगर रिलायंस इंडस्ट्रीज के रिफाइनिंग हब का घर है, जो दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स में से एक है। विदेश विभाग ने यह नहीं बताया कि इस शहर को दौरे के लिए क्यों चुना गया। भारत का यह दौरा 18 अक्टूबर

की समय सीमा के कुछ दिन बाद हो रहा है, जो ग्राहम एक्ट के तहत उन देशों पर इ्यूटी लगाने से संबंधित है जो रूसी ऊर्जा खरीदते हैं। भारत 2022 से रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदारों में से एक रहा है और इसकी तेल खरीद वाशिंगटन के साथ लगातार तनाव का विषय रही है।

विदेश विभाग ने कहा कि वह इस राजनयिक मंच के माध्यम से रणनीतिक सहयोग संयुक्त अमेरिका और मध्य एशिया के देशों के लिए अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य को बढ़ावा देता है।

संक्षिप्त खबर

12 साल की देरी के बाद खुल रहा उत्तर कोरिया-चीन का नया 'यालू रिवर ब्रिज'

विश्व केसरी■

सोल। उत्तर कोरिया और चीन के बीच बना नया पुल 12 साल की देरी के बाद चालू होगा। व्यापार तथा आवाजाही को



बढ़ावा देने वाला नया यालू नदी पुल गुरुवार को आधिकारिक तौर पर यातायात के लिए खोला जाएगा। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के बीच इस पुल के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया जाएगा। करीब 12 साल पहले निर्माण पूरा होने के बावजूद यह पुल अब तक इस्तेमाल में नहीं आया था। दक्षिण कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक, 3,024 मीटर लंबा यह चार लेन वाला सड़क पुल चीन के पूर्वोत्तर शहर दानदोंग को उत्तर कोरिया के सिनुइजू शहर से जोड़ता है। इसका निर्माण अक्टूबर 2011 में शुरू हुआ था और अक्टूबर 2014 में पूरा हो गया था। हालांकि, उत्तर कोरिया की ओर संपर्क मार्गों, सीमा शुल्क कार्यालयों और अन्य जरूरी बुनियादी ढांचे का निर्माण पूरा नहीं होने के कारण पुल लंबे समय तक बंद रहा। हाल के दिनों में इस पुल पर वाहनों की आवाजाही देखी गई थी, जिससे इसके जल्द खुलने की अटकलें तेज हो गई थीं। अब इसके आधिकारिक उद्घाटन से दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों की आवाजाही को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पुणे-सोलापुर हाईवे पर सड़क हादसा, टेम्पो चालक की मौत

विश्व केसरी■

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। कंटेनर और आयशर टेम्पो के बीच टक्कर में टेम्पो चालक की मौके



पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, सोलापुर की ओर जा रहा एक कंटेनर अचानक हाईवे का डिवाइडर पार कर गया और पुणे की ओर जाने वाली लेन में आ गया। इसी दौरान सामने से आ रहे आयशर टेम्पो की कंटेनर से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि हादसे के बाद कंटेनर की लोहे की चादरों के टुकड़े हाईवे पर दूर-दूर तक बिखर गए। इस दुर्घटना के कारण पुणे-सोलापुर हाईवे पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया। वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही टोल प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात बहाल करने के प्रयास शुरू किए। सड़क पर बिखरे लोहे की चादरों के टुकड़ों को हटाकर रास्ता साफ किया गया। इसके बाद हाईवे पर यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका। यह हादसा दौंड जिला पुणे, महाराष्ट्र में हुआ। इससे पहले 12 अक्टूबर को बिहार के कटिहार जिले में एक पेटसन लडा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पानी में पलट गया था। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए थे। दुर्घटना पोठिया थाना क्षेत्र में पोठिया-डूसर सड़क मार्ग पर कुशियारी मोड़ के समीप हुई थी। पुलिस के अनुसार, ट्रैक्टर पर चालक समेत कुल पांच लोग सवार थे। सभी पोठिया से बरारी की ओर जा रहे थे।

वेतन, कार्य अवधि और सुरक्षा की मांग को लेकर महिला कामगारों ने रोड जाम किया

विश्व केसरी■

रांची। रांची के दशमफॉल थाना क्षेत्र के पांचा में ऑर्बन डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी में कार्यरत महिला कामगारों ने वाजिब वेतन, काम के समय और सुरक्षा से जुड़ी मांगों को लेकर रांची-टाटा राष्ट्रीय राजमार्ग-33 को जाम कर दिया। प्रदर्शनों के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। महिलाओं ने प्रशासन से पूरे मामले में हस्तक्षेप कर तत्काल उनके मसलों का हल निकालने की मांग की है।

ऑर्बन डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी रेडीमेड कपड़ों का उत्पादन करती है। यहां काम करने वाली महिला कामगारों का आरोप है कि श्रम



विभाग के नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। विरोध करने पर कंपनी प्रबंधन की ओर से कार्रवाई की धमकी दी जाती है। प्रबंधन के रवैये से नाराज महिला कामगार बुधवार सुबह नौ बजे सड़क पर उतर आईं। उन्होंने पांचा के पास मुख्य मार्ग पर बैठकर प्रदर्शन किया और अपनी मांगों के समर्थन में

नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वेतन, कार्य अवधि और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक वे रांची और जमशेदपुर के बीच इस मार्ग पर आवागमन प्रभावित होंगे।

कोलकाता : पुलिस के सामने पेश हुए अभिषेक बनर्जी

विश्व केसरी■

कोलकाता। डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी बुधवार को अपने कैमैक स्ट्रीट स्थित कार्यालय में 27 अगस्त को हुई झड़प के मामले में पृच्छाछ के लिए मध्य कोलकाता के शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन पहुंचे।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को पहले 8 अक्टूबर को पृच्छाछ के लिए पुलिस स्टेशन में पेश होना था। हालांकि, उन्होंने उसी दिन पुलिस स्टेशन को इमेल भेजकर अनुरोध किया था कि पृच्छाछ के समय की जानकारी उन्हें कम से कम 48 घंटे पहले दी जाए।

इसके बाद शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन ने उन्हें नया नोटिस जारी कर बुधवार सुबह 11 बजे तक उपस्थित होने को कहा। इसके अनुसार, डायमंड हार्बर के सांसद अपने वकील के साथ तय समय पर पुलिस स्टेशन पहुंचे। अभिषेक



बनर्जी से इस मामले में पहले भी एक बार पृच्छाछ हो चुकी है। उस दौरान उन्होंने पुलिस स्टेशन में छह घंटे से अधिक समय बिताया था। 27 अगस्त को उस समय तनाव पैदा हो गया था, जब कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के अधिकारी पुलिसकर्मियों के साथ अभिषेक बनर्जी के कैमैक स्ट्रीट स्थित कार्यालय पर एक हॉर्डिंग हटाने पहुंचे थे। आरोप है कि इन अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को अभिषेक बनर्जी, अन्य तृणमूल कांग्रेस नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वहां झड़प हुई।

शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में दर्ज तीन एफआईआर के अनुसार, पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करने और एक महिला पुलिस अधिकारी की मर्यादा भंग करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

इस घटना से जुड़े तीन एफआईआर में से दो में अभिषेक बनर्जी, राज्यसभा सांसद और तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ'ब्रायन, तथा अन्य नेताओं हमार्यू कबीर और वैश्वनर चटर्जी के नाम शामिल हैं। पुलिस अब तक 27 अगस्त को झड़प के सिलसिले में 14 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। बुधवार को अभिषेक बनर्जी की यह पेशी मामले की जारी पुलिस जांच के बीच हुई।

पुलिस एफआईआर में नामजद लोगों के खिलाफ लगे आरोपों की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर ऐसी कौन-सी घटनाएं हुई।



यह वही बुनियादी ढांचा है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से घोषित युद्धविराम के दायरे में शामिल किया गया था।'

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने माना कि हमलों का पैमाना 'रूस की ओर से अमेरिका के प्रति खुले अन्याय की दशांता है।' उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिकी राष्ट्रपति पेंट्रियट मिसाइल इंटरसेप्टर उपलब्ध करने की अपील करते हुए कहा, 'रूसी हमलों में कीव, कीव क्षेत्र और खार्किव के ऊर्जा एवं महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। ऊर्जा केंद्रों पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला जानबूझकर किया गया।

केन्या ने ट्रेवल हेल्थ इश्योरेंस किया अनिवार्य, भारतीय उच्चायोग ने जारी की एडवाइजरी

विश्व केसरी■

नैरोबी। केन्या ने 12 महीने से कम समय तक अपने देश में रहने वाले सभी विदेशी यात्रियों के लिए ट्रेवल हेल्थ इश्योरेंस अनिवार्य कर दिया है। नैरोबी स्थित भारतीय हाई कमिशन ने इसे लेकर एडवाइजरी जारी की। हाई कमिशन ने अपने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे देश में प्रवेश करते हुए



इसका खास ख्याल रखें। इसके साथ ही उच्चायोग ने अप्लाई करने का तरीका भी बताया है। एडवाइजरी के जरिए सूचित किया गया कि केन्या सरकार ने 5 अक्टूबर 2026 या उसके बाद केन्या में प्रवेश करने वाले विदेशी नागरिकों के लिए (12 महीने से कम समय तक रहने के लिए) अनिवार्य इनवाइड ट्रेवल हेल्थ इश्योरेंस लागू किया है। इसमें कुछ छूट भी शामिल हो सकती हैं।

उच्चायोग के अनुसार, इच्छुक भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे केन्या सरकार के बताए नियमों और शर्तों के अनुसार, अपने आगमन से पहले निर्धारित ट्रेवल हेल्थ इश्योरेंस ले लें। यह इस बात पर

निर्भर नहीं करता कि उनका इलेक्ट्रॉनिक ट्रेवल ऑथरिजेशन (ईटीए) कब जारी किया गया था या उनकी यात्रा की व्यवस्था कब की गई थी। इसके साथ ही ईटीए आवेदकों के लिए एक लिंक शेयर किया है। इसमें ये भी बताया गया है कि जिनके पास पहले से ही वैध ईटीए है उन्हें अलग लिंक पर जाना होगा। सलाह के साथ हिदायतें भी दी गई हैं। बताया है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय यात्रा या मेडिकल इश्योरेंस पॉलिसी निर्धारित अनिवार्य इश्योरेंस का विकल्प नहीं है। हाल ही में केन्या में एक शकस की इबोला से मौत हो गई थी। जांच में पाया गया कि वो डीआरसी और युगांडा की यात्रा कर लौटा था।

केंद्र पर सत्तावाद को संस्थागत रूप देने का आरोप, शिवसेना (यूबीटी) ने 'सामना' में साधा निशाना

विश्व केसरी■

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और उस पर सत्तावाद को संस्थागत रूप देने और सार्वजनिक असहमति को व्यवस्थित तरीके से दबाने का आरोप लगाया।

ठाकरे गुट की यह आलोचना दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर से दशकों पुराने प्रदर्शन स्थल का दर्जा हटाने के फैसले के बाद आई है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में संपादकीय में ठाकरे गुट ने कहा कि नए पुलिस आदेशों के तहत विरोध प्रदर्शनों को सत्ता के केंद्र से दूर धकेल दिया गया है। अब प्रदर्शन के लिए रामलीला मैदान (4 किमी दूर), शाहदरा में सीबीडी ग्राउंड (12 किमी दूर) और बुराड़ी ग्राउंड (20-21 किमी दूर) जैसी दूर की जगहें तय की गई हैं। सामना में तर्क दिया गया कि यह एक सोची-समझी रणनीति है ताकि जनता के



आंदोलन की कोई गुंज संसद या राष्ट्रीय चेतना में न पहुंचे। लोकतांत्रिक अधिकारों के व्यावसायीकरण को उजागर करते हुए संपादकीय में बताया गया कि रामलीला मैदान जैसे स्थलों की लागत प्रतिदिन 1.5 लाख रुपए से अधिक है, महानों पहले बुकिंग करनी पड़ती है और ये अक्सर धार्मिक या सत्तारूढ़ दल के कार्यक्रमों के लिए बुक रहते हैं। संपादकीय में कहा गया कि शांतिपूर्ण सभा संवैधानिक रूप से संरक्षित अधिकार है। आवाजों को

शहर की सीमा से बाहर धकेलना गहरे प्रशासनिक उर का संकेत है। यह प्रशासनिक कार्रवाई चुनावी अखांडता पर जवाबदेही की मांग करने वाले समूहों के प्रदर्शनों के बाद आई, जिससे राजधानी में भारी सुरक्षा तैनाती और बड़े पैमाने पर निवारक हिरासत हुई। ठाकरे गुट ने कहा कि राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है, जबकि जंतर-मंतर की गैर-अधिसूचना के खिलाफ कानूनी चुनौतियां तेजी से दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गई हैं।

39 देशों के सैन्यकर्मियों को प्रशिक्षण के बाद भारतीय नौसेना सौंप रही है टास्क फोर्स की कमान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना 14 अक्टूबर को बहरीन की राजधानी मनामा में संयुक्त समुद्री बलों के 'संयुक्त टास्क फोर्स 154' की कमान सौंप रही है। इसके साथ ही इस बहुराष्ट्रीय टास्क फोर्स की कमान संभालने का भारतीय नौसेना का पहला कार्यकाल पूरा हो गया। इस दौरान 39 देशों के सैन्य कर्मियों ने विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों में हिस्सा लिया। इनके माध्यम से 7,800 घंटे से अधिक का प्रशिक्षण दिया गया।



गौरतलब है कि 'संयुक्त विभिन्न देशों के बीच समुद्री टास्क फोर्स 154' बहुराष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में तालमेल बढ़ाना, समुद्री प्रशिक्षण के लिए गति कर्मियों की पेशेवर दक्षता बढ़ाना का उद्देश्य है। इसका उद्देश्य विकसित करना और संयुक्त

अभियानों के लिए तैयारी मजबूत करना है। संयुक्त समुद्री बलों की इस साझेदारी में कुल 47 देश शामिल हैं। भारत वर्ष 2022 में संयुक्त समुद्री बलों का सहयोगी भागीदार बना था। वर्ष 2023 में उसे पूर्ण सदस्यता मिली। इसके बाद भारतीय नौसेना ने 11 फोर्स 154' की कमान संभाली। नौसेना के मुताबिक इस कार्यकाल की एक प्रमुख उपलब्धि समुद्री डकैती और सशस्त्र लूटपाट पर विशेषज्ञों के आदान-प्रदान का पहला कार्यक्रम भी रहा।

समुद्री सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित कीं। इस दौरान सैन्य कर्मियों की पेशेवर दक्षता बढ़ाने के लिए 20 प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए। इसके अलावा ऑपरेशन कम्पास रोज 26-1 और ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस 26-2 आयोजित किए गए। नौसेना के मुताबिक इस कार्यकाल की एक प्रमुख उपलब्धि समुद्री डकैती और सशस्त्र लूटपाट पर विशेषज्ञों के आदान-प्रदान का पहला कार्यक्रम भी रहा।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग: टीमों की अगुवाई करेंगे हॉकी ओलंपियन्स



विश्व केसरी ■
रायपुर। रायपुर में होने वाले छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के लिए सभी छह फ्रेंचाइजी टीमों के मुख्य प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों का चयन कर लिया गया है। ओलंपिक खेलों में भारत की ओर से खेल चुके प्रतिष्ठित और अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों को प्रत्येक टीम में मार्की खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है।

लीग में खेलने वाले वरिष्ठ खिलाड़ियों के सानिध्य में राज्य के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में टीमों के खिलाड़ियों को हॉकी के गुर सीखने के साथ ही बड़े मुकाबलों के दबाव से निपटने की कला भी सीखने मिलेंगी।

मिलने के साथ ही घरेलू हॉकी के ढांचे को भी मजबूती मिलेगी। लीग के सभी मैच 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर के बीच रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला मुकाबला शाम साढ़े पांच बजे और दूसरा मुकाबला शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा। दोनों मैचों के बीच प्रतिदिन मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जो दर्शक स्टेडियम नहीं पहुंच पाएंगे, वे भी मुकाबलों का आनंद ले सकेंगे। लीग का लाइव प्रसारण जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा। स्टेडियम में दर्शकों का प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित की जा रही छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की छह फ्रेंचाइजी टीमों के साथ प्रतिष्ठित संस्थान जुड़े हैं। चक्रधर चैंपियंस की फ्रेंचाइजी जिनंदल स्टील लिमिटेड, न्यायधानी नाइट्स की साउथ इस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, राजधानी रॉयल्स की श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड, मेनपाट टाइगर्स की छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल, संस्कारधानी स्टाइकर्स की साराडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड और

बैलाडीला बुल्स की फ्रेंचाइजी एनएमडीसी लिमिटेड के पास है। इन टीमों के मुख्य प्रशिक्षक और खिलाड़ी इस प्रकार हैं –
न्यायधानी नाइट्स
मुख्य प्रशिक्षक – मोहम्मद रियाज
खिलाड़ी – सुरेंद्र कुमार, राहुल ठाकुर, मोहम्मद अनीश रजा, लबी मानिकपुरी, अमित टोप्पो, अश्विन कुजूर, रोहित रजक, सागर सूर्यवंशी, सैय्यद समीर अली, कश्मीर मिंज, अभिजीत श्रीवास, सोनू निपाद, सुखवेद निर्मलकर, शादाब अहमद खान, अरबाज अली, ओम रुद्र नामदेव, अमन वर्मा, आदर्श राज सिंह, प्रिंस महतो, केतन कुशवाहा, रोहित कुल्लू, चिराग कुमार
मुख्य प्रशिक्षक – अजय खिल्लाड़ी – प्रदीप मोर, अलफाज खान, सौर्य वर्मा, अजय तांडी, रेहान खान, प्रवीण यादव, साहिल जाक्स, मोहित नायक, अर्पण टोप्पो, आदित्य मेश्राम, अकविनाश तिग्गा, नरेंद्र निपाद, संदीप ठाकुर, प्रिंस भगत, राहुल पन्नु, प्रांजल यादव, नेहाल बरेठ, मनीष वट्टी, दक्ष चौबे, प्रह्लाद, आनंद लकड़ा, अवि मानिकपुरी।

आईसीसी रैंकिंग : श्रेयस अय्यर चौथे स्थान पर पहुंचे, ईशान किशन की टी20 में बादशाहत कायम



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी पांच मैचों की घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम भारतीय टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर को आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग में मिला है। अय्यर तीन स्थान ऊपर चढ़कर बल्लेबाजों की रैंकिंग में चौथे नंबर पर आ गए हैं, जो उनके करियर की बेस्ट रैंकिंग है। अय्यर ने लखनऊ में सीरीज के पहले मैच में ही बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली थी। अय्यर ने लखनऊ में सीरीज के पहले मैच में ही बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली थी। अय्यर ने लखनऊ में सीरीज के पहले मैच में ही बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली थी।

वुहान ओपन: स्वितातेक के नाम सीजन की 40वीं जीत, स्विटोलिना ने सैमसनोवा को हराया

विश्व केसरी ■
वुहान। वुहान ओपन में पोलैंड की इगा स्वितातेक ने बुधवार को हमवतन मैग्डेलेना फ्रेंच को मात देकर इस सीजन की अपनी 40वीं जीत दर्ज की, जबकि एलिना स्विटोलिना ने ल्यूडमिला सैमसनोवा के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए तीसरे दौर में जगह बनाई। इस जीत के साथ दोनों खिलाड़ी सीजन के आखिर में होने वाले डबल्यूटीए फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में बनी हुई हैं।

सातवीं वरीयता प्राप्त स्वितातेक ने मैग्डेलेना फ्रेंच को 1 घंटे 43 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-1 से मात देकर डबल्यूटीए 1000 इवेंट्स में अपने करियर की 149वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ स्वितातेक ने सेरेना विलियम्स की 148 जीत के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। वह इस लिस्ट में सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं। 'एटीपी' के अनुसार जीत के बाद स्वितातेक ने कहा, 'मैं सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलकर खुश हूँ, क्योंकि मुझे पहले वहां खेलने का मौका नहीं मिला था। मैच की शुरुआत में मुकाबला एक-एक प्वाइंट का था, लेकिन बाद में मुझे खुशी हुई कि मैंने कम गलतियां कीं और मैच के आखिर तक अपने मौकों का सही इस्तेमाल किया। निश्चित रूप से यह स्कोर से कहीं ज्यादा मुश्किल मैच था। पोलैंड की इस खिलाड़ी ने अब लगातार पांच सीजन में कम से कम



40 जीत दर्ज की हैं, हालांकि उन्होंने माना कि 2026 में लगातार अच्छा प्रदर्शन बनाए रखना काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। स्वितातेक ने कहा, 'हर साल इतना अलग रहा है कि इसके लिए कोई खास तरीका या समाधान नहीं है। मुझे खुशी है कि हर साल अलग-अलग चुनौतियां होने के बावजूद मैं लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पा रही हूँ। निश्चित रूप से यह साल सबसे मुश्किल रहा है, इसलिए हर जीत बहुत मायने रखती है और जाहिर है कि मैं ज्यादा से ज्यादा जीत हासिल करने की कोशिश करूंगी।' स्वितातेक का अगला मुकाबला ऐश्लिन क्रूगर या लनलाना तारा-रुडी में से किसी एक से होगा।

चैंपियंस लीग: आर्सेनल ने लिली को 3-0 से हराया



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। आर्सेनल ने चैंपियंस लीग में अपने शानदार टिम्बर ने शानदार व्यक्तिगत गोल किया। इस गोल के तीन मिनट बाद ही आर्सेनल ने बढ़त दोगुनी कर दी। एक बार फिर टिम्बर ने हाई प्रेस करके गेंद जीती। मार्टिन ओडेगार्ड ने गेंद को आगे बढ़ाया और फिर बुकायो साका के जरिए गेंद एबेरे एजे के पास पहुंची, जिन्होंने बॉक्स के अंदर से सटीक और डिफेंस में कोई बड़ी चूक नहीं की। लेकिन हाफ टाइम के बाद आर्सेनल ने अपना दबाव कई मैच पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। यह गोल तीनों सब्स्टीट्यूट का कमाल था। काई हैवर्ट्स, ओडेगार्ड और साका के बीच

तक नहीं मिला। आखिरकार 64वें मिनट में गतिरोध टूटा। जुरियन टिम्बर ने शानदार व्यक्तिगत गोल किया। इस गोल के तीन मिनट बाद ही आर्सेनल ने बढ़त दोगुनी कर दी। एक बार फिर टिम्बर ने हाई प्रेस करके गेंद जीती। मार्टिन ओडेगार्ड ने गेंद को आगे बढ़ाया और फिर बुकायो साका के जरिए गेंद एबेरे एजे के पास पहुंची, जिन्होंने बॉक्स के अंदर से सटीक और डिफेंस में कोई बड़ी चूक नहीं की। लेकिन हाफ टाइम के बाद आर्सेनल ने अपना दबाव कई मैच पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। यह गोल तीनों सब्स्टीट्यूट का कमाल था। काई हैवर्ट्स, ओडेगार्ड और साका के बीच

शंघाई मास्टर्स: राफेल जोडर सबसे कम उम्र के क्वार्टर फाइनलिस्ट बने



विश्व केसरी ■
शंघाई। राफेल जोडर ने लगातार तीसरे मैच में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 20 साल के जोडर ने बोटिक वैन डे जैंडशुल्ट को दो घंटे 30 मिनट में 6-7(4), 6-4, 6-2 से हराया और शंघाई के दूसरे सबसे कम उम्र के क्वार्टर फाइनलिस्ट बने। जैकब मेनसिक शंघाई मास्टर्स के इतिहास में सबसे कम उम्र के क्वार्टर फाइनलिस्ट हैं। वह 19 साल की उम्र में 2024 शंघाई मास्टर्स में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वैन डे जैंडशुल्ट ने अच्छी शुरुआत की, शुरुआती सेट में दो ब्रेक पॉइंट बचाए और फिर टाई-ब्रेक में

जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए बढ़त बना ली। एटीपी टूर की रिपोर्ट के मुताबिक, जोडर ने वापसी की, धीरे-धीरे मोमेंटम हासिल किया और शंघाई में अपने डेब्यू पर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत ने एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की जोडर की कोशिश को मजबूत किया। एटीपी टूर पर अपना पहला पूरा सीजन खेल रहे 20 साल के जोडर का इस साल का रिकॉर्ड एटीपी जीत/हार इंडेक्स के मुताबिक 41-16 हो गया है। अती वे एटीपी लाइव रस टू टूर्यूरिन में 11वें नंबर पर हैं और 10वें नंबर पर मौजूद नोवाक जोकोविच से सिर्फ 131 पॉइंट पीछे हैं।

यूईएफए चैंपियंस लीग: बैरियोस और लुकमैन की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया



विश्व केसरी ■
मैड्रिड। यूईएफए चैंपियंस लीग में खेले गए मुकाबले में एटलेटिको मैड्रिड ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-0 से हरा दिया। एटलेटिको की

तरफ से पाब्लो बैरियोस और एडेमोला लुकमैन ने गोल किए। एटलेटिको को पहला गोल करने में एक मिनट से भी कम समय लगा, जब गिडलिआनो

इससे पहले कि मार्कस रैशफोर्ड लिसेंझे मार्टिनेज की बॉल को पीछे से पकड़ने से कुछ इंच दूर रह गए। एटलेटिको के जॉनी कार्डोसो का एरिया के किनारे से किया गया शॉट खारिज कर दिया गया, जब वीएआर ने मार्कोस लोरेटे के पहले के हैंडबॉल का पता लगाया, जबकि जुलियन अल्बारेज ने दूसरे हाफ की शुरुआत में पोस्ट पर हिट किया। मैनचेस्टर यूनाइटेड की उम्मीदों को 74वें मिनट में बड़ा झटका लगा, जब लेनी योरो को रेड कार्ड दिखाया गया। लुकमैन ने पांच मिनट बाद बहुत दोगुनी कर दी और एटलेटिको की जीत पर मुहर लगा दी। दूसरी तरफ, विलारियल ने नेपोली को 3-1 से हराया। नेपोली ने आठवें मिनट में बहुत बना ली, जब आमिर रहमानी ने अपने पेनल्टी एरिया में एक लज बॉल से गोल किया। विलारियल की तरफ से जॉर्जेस मिर्कोतादुजे ने 23वें मिनट में गोल करके जवाब

दिया। सैंटियागो मोरिनो ने तीन मिनट बाद पेनल्टी एरिया के बाहर बॉल लेकर और एक जोरदार शॉट मारकर विलारियल को आगे कर दिया। 86वें मिनट में तानी ओलुवासेई के जबरदस्त गोल ने विलारियल को अप्रैल 2022 में बायर्न म्युनिख पर क्वार्टर फाइनल जीत के बाद पहली चैंपियंस लीग जीत दिलाई। एक अन्य मैच में, दूसरे हाफ में ब्राजन गुडा के गोल की मदद से आरबी लीपजिग ने पीएसवी आइंडहोवन को 1-0 से हराकर सीजन की अपनी पहली चैंपियंस लीग जीत हासिल की। गोलकीपर मार्टेन वॉडेवोर्ड ने पेनल्टी बचाकर जर्मन टीम को मुकाबले में बनाए रखा। 75वें मिनट में सफलता मिली, जब पीएसवी डेविड राउम के कॉर्नर को क्लियर नहीं कर पाया। गुडा ने पेनल्टी एरिया के बाहर दली बॉल को इकट्ठा किया और एक डिफ्लेक्टेड शॉट को बाएं कोने में घुमा दिया।

कबड्डी में भारत का मुकाबला नहीं, एशियन गेम्स में भारतीय टीम का रहा है दबदबा

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला और पुरुष कबड्डी टीमों ने गोल्ड मेडल जीते। दोनों ही टीमों ने ईरान को हराकर गोल्ड मेडल जीते। एशियन गेम्स के पिछले संस्करण में भी भारत की ही महिला और पुरुष कबड्डी टीमों ने गोल्ड मेडल जीते थे। कबड्डी में यह प्रदर्शन भारत की निरंतरता के साथ-साथ दबदबे को प्रदर्शित करता है।



कबड्डी मूलतः भारत का खेल है। भारत में यह खेल करीब 4,000 साल से खेला जाता है। 1918 में इस खेल को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा मिला। 1923 में इस खेल के पहली बार लिखित नियम तैयार किए गए और मुंबई में अखिल भारतीय टूर्नामेंट हुआ। 1936 में बर्लिन में हुए ओलंपिक में इस खेल को दुनिया ने देखा। हालांकि, इसके बाद से कबड्डी कभी ओलंपिक का हिस्सा नहीं रहा। कबड्डी कॉमनवेल्थ गेम्स का भी हिस्सा नहीं है। इसकी वजह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर (निश्चित देशों और महाद्वीपों में)

इसकी आवश्यक लोकप्रियता और मानकों का पूरा न होना है। हालांकि, भारत इस खेल को कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल किए जाने का पैरोकार रहा है। एशियन गेम्स में कबड्डी निरंतर तौर पर खेली जाती है। एशियन गेम्स के इतिहास में भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने 9 और महिला कबड्डी टीम ने 4 स्वर्ण पदक जीते हैं। भारत में कबड्डी बेहद लोकप्रिय है। पुरुष और महिलाएं दोनों ही कबड्डी में रुचि लेते हैं और दोनों वर्गों में राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर की टीमों हैं। भारत में इस खेल की लोकप्रियता

और सफलता की वजह संरचनात्मक रूप से इसका सफल संचालन है। भारत में कबड्डी की राष्ट्रीय स्तर की शीर्ष संस्था एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) है। इसकी स्थापना 1972-73 में हुई थी। संस्था भारत में कबड्डी खेल को नियंत्रित करती है तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन व संचालन करती है। एकेएफआई, भारतीय ओलंपिक संघ, एशियाई कबड्डी महासंघ और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ से संबद्ध है।

इंडिगो फ्लाइट में आग की घटना के बाद डीजीसीए का बड़ा फैसला, पावरबैंक के एक विशिष्ट मॉडल पर लगाया प्रतिबंध



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो विमान में आग लगने की एक घटना के बाद मोबिकिन्स एमके-पीबी-04 पावरबैंक को भारत आने-जाने वाली और देश के भीतर संचालित होने वाली सभी उड़ानों में ले जाने या परिवहन करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। विमानन नियामक ने यह निर्देश उस घटना के बाद जारी किया,

जिसमें रविवार को दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो की एक उड़ान में इस पावरबैंक से जुड़ी आग लगने के कारण विमान को हैदराबाद की ओर मोड़ना पड़ा था। इसके बाद डीजीसीए प्रमुख वीर विक्रम यादव ने एयरलाईंस को निर्देश दिया कि इस विशेष पावरबैंक मॉडल को न तो यात्रियों द्वारा विमान में लाया जाए और न ही कार्गो के रूप में इसका परिवहन किया जाए। आदेश के तहत एयरलाइंस को

प्रभावित डिव्हाइस की पहचान करने, उसे उड़ानों में लाए जाने से रोकने और यात्रियों को उचित माध्यमों से सुरक्षा संबंधी सलाह जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। यह प्रतिबंध केवल मोबिकिन्स एमके-पीबी-04 मॉडल पर लागू होगा और सभी पावरबैंकों पर सामान्य प्रतिबंध नहीं है। यात्रियों को यात्रा से पहले अपने पावरबैंक का मॉडल नंबर जांचने और एयरलाइंस के दिशा-निर्देशों का पालन करने

की सलाह दी गई है। जिन लोगों के पास यह विशेष मॉडल है, उन्हें भारत के भीतर या भारत आने-जाने वाली किसी भी उड़ान में इसे साथ नहीं ले जाने को कहा गया है। यह कदम लिथियम-आयन बैटरियों और पावरबैंकों से जुड़े सुरक्षा नियमों को और कड़ा किए जाने के बाद उठाया गया है। डीजीसीए के मौजूदा खतरनाक वस्तु दिशा-निर्देशों के अनुसार, पावरबैंक और अतिरिक्त बैटरियां

केवल हैंड बैगज में ही ले जाई जा सकती हैं और इन्हें ओवरहेड कंपार्टमेंट में रखने की अनुमति नहीं है।

नियामक ने यात्रियों को उड़ान के दौरान पावरबैंक की मदद से मोबाइल फोन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चार्ज करने से भी रोक दिया है। विमान की सीटों पर उपलब्ध पावर आउटलेट के माध्यम से भी ऐसा करने की अनुमति नहीं होगी।

एयरलाइंस को यात्रियों को इन नियमों के बारे में जागरूक करने, केबिन क्रू को बैटरी से जुड़ी घटनाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने और लिथियम बैटरी में आग लगने या खराबी की किसी भी घटना की जानकारी नियामक को देने के निर्देश दिए गए हैं।

यात्रियों को यह भी कहा गया है कि यदि उड़ान के दौरान कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अत्यधिक गर्म हो जाए, धुआं छोड़ने लगे या उसमें से असामान्य गंध आने लगे तो इसकी जानकारी तुरंत केबिन क्रू को दें। लिथियम-आयन बैटरियों का व्यापक उपयोग पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में किया जाता है, लेकिन बैटरी के क्षतिग्रस्त, दोषपूर्ण, अधिक चार्ज होने या गलत तरीके से इस्तेमाल किए जाने पर आग लगने का खतरा पैदा हो सकता है।

मन को शांत और शरीर को मजबूत बनाता है शीर्षासन, जानें इसके फायदे



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली में तनाव, थकान और मानसिक अस्थिरता ने व्यक्ति के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है। ऐसे में शीर्षासन एक प्राकृतिक औषधि की तरह काम करता है। सही तकनीक और सावधानी के साथ किया गया शीर्षासन शरीर को अंदर से मजबूत और मन को शांत करने में सक्षम है।

संस्कृत में ‘शीर्ष’ का अर्थ सिर होता है, इसलिए इसे सिर के बल किया जाने वाला आसन कहा जाता है। इसे ‘योगासन’ का राजा’ भी कहा जाता है। सिर के बल खड़े होकर किए जाने वाले इस आसन से रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है, पाचन तंत्र बेहतर होता है और मानसिक स्वास्थ्य को नई ऊर्जा मिलती है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को उन्नत योग मुद्रा बताया है, जिसके अभ्यास से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर का पूरा भार सिर पर होता है, जिससे मस्तिष्क में रक्त संचार बढ़ता है और व्यक्ति को मानसिक शांति, एकाग्रता और नई ऊर्जा की अनुभूति होती है।

यह आसन मस्तिष्क तक रक्त और ऑक्सीजन का प्रवाह तीव्र करता है, जिससे स्मृति शक्ति, ध्यान और मानसिक स्पष्टता में अभूतपूर्व सुधार होता है।

शीर्षासन का अभ्यास करने से शरीर के संतुलन, एकाग्रता और मांसपेशियों पर नियंत्रण बेहतर करने में मदद मिल सकती है। साथ

ही यह गर्दन, सिर और पीठ की मांसपेशियों को भी ताकत देता है और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, यह एक कठिन आसन है, इसलिए इसे करने से पहले अभ्यासकर्ताओं को सावधानी बरतनी चाहिए और विशेषज्ञ की देखरेख के आसन को करने से बचना भी चाहिए।

जिन लोगों को ब्लड प्रेशर की समस्या है, उन्हें यह आसन करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए। माइग्रेन या लगातार सिरदर्द से परेशान लोग इस आसन से दूर रहें, क्योंकि इससे परेशानी बढ़ सकती है। गर्भवती महिलाओं के लिए भी यह आसन सुरक्षित नहीं है, इसलिए उन्हें इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

बालों को सफेद होने से रोकने के लिए अपनाएं ये घरेलू उपाय, इन चीजों को डाइट में करें शामिल

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। आजकल कम उम्र में ही बालों का सफेद होना आम समस्या बनती जा रही है। कई लोगों के बाल 20 से 30 साल की उम्र में ही सफेद होने लगते हैं। सफेद बालों को देखकर लोग अक्सर परेशान हो जाते हैं और उन्हें छिपाने के लिए बार-बार हेयर कलर या डाई का इस्तेमाल करने लगते हैं। हालांकि, बालों का सफेद होना हमला किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

उम्र बढ़ने के साथ बालों में मेलानिन का बनना कम होता है, जिससे बालों का रंग धीरे-धीरे सफेद होने लगता है। लेकिन अगर कम उम्र में बाल तेजी से सफेद हो रहे हैं, तो खान-पान, तनाव, नींद और शरीर में कुछ पोषक तत्वों की



कमी जैसी चीजों पर ध्यान देना जरूरी है। बालों को स्वस्थ रखने के लिए सबसे पहले खान-पान पर ध्यान देना चाहिए। डाइट में प्रोटीन, आयरन, विटामिन बी12, फोलेट, जिंक और दूसरे जरूरी पोषक तत्वों

की कमी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए हरी सब्जियां, दालें, अंडे, दूध-दही, पनीर, फल, मेवे और बीज जैसी चीजों को खाने में शामिल किया जा सकता है। आंवला भी बालों की देखभाल के लिए लंबे समय से इस्तेमाल

किया जाता रहा है। इसमें विटामिन सी और कई एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड्स पाए जाते हैं, जो बालों को हेल्दी बनाने में मदद करते हैं।

नारियल तेल से सिर की हल्की मालिश करना भी बालों की देखभाल का आसान तरीका है। इससे बालों और स्कैल्प में नमी बनाए रखने में मदद मिलती है और रूखे बालों की समस्या कम होती है। तनाव को कम करना भी जरूरी है। लगातार तनाव शरीर पर कई तरह का असर डाल सकता है और कुछ मामलों में बालों की समस्याओं से भी जुड़ा हो सकता है। इसलिए रोजाना थोड़ा समय टलहना, एक्सरसाइज, योगा या मेडिटेशन के लिए निकालना मददगार हो सकता है। इसके साथ पर्याप्त नींद लेना भी जरूरी है।

देवी के चौथे स्वरूप माता कूष्मांडा से जुड़ा है ये फल, आयुर्वेद में बताए गए हैं इसके कई गुण

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। नवरात्र के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। चौथे दिन मां कूष्मांडा की आराधना होती है। आयुर्वेद और पारंपरिक मान्यताओं में मां कूष्मांडा का संबंध कूष्मांड यानी পেठे से भी जोड़ा जाता है। पेठा एक ऐसा फल है, जिसका इस्तेमाल खाने के साथ-साथ पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में भी किया जाता रहा है। इसे अंग्रेजी में ऐश गॉर्ड कहा जाता है। आयुर्वेद में कूष्मांड को शीतल, पौष्टिक और पित्त को शांत करने वाले गुणों से युक्त माना गया है। आयुर्वेद में इसे ‘रसायन’ कहा गया

है, यानी जो शरीर को नई ऊर्जा दे और उसे जवान बनाए रखे। यह स्वभाव में शीतल होता है, इसलिए शरीर की गर्मी और जलन को शांत करने में



उपयोगी हो सकता है। दिमाग के लिए अमृत : आजकल तनाव, चिंता और भूलने की बीमारी आम हो गई है। पेठ

दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। यह याददाश्त बढ़ाता है और अल्जाइमर जैसी बीमारियों में भी लाभकारी बताया जाता है। जो लोग ज्यादा टेंशन में रहते हैं, उनके लिए पेठे का जूस बहुत फायदेमंद होता है।

पेट को रखे ठंडा : अगर आपको अक्सर एसिडिटी, पेट में जलन या अल्सर की शिकायत रहती है, तो पेठा आपके लिए वरदान है। यह पेट की अंदर से सफाई करता है और पाचन तंत्र को

मजबूत बनाता है। इसकी तासीर ठंडी होने की वजह से यह अम्लपित्त यानी एसिडिटी को तुरंत शांत करता है।

किडनी और संबंधी समस्याओं में राहत : पेठा एक नेचुरल डिटॉक्स है। यह किडनी की गंदगी को बाहर निकालता है और पथरी जैसी समस्याओं में भी आराम देता है। दिल और ब्लड प्रेशर के लिए : यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने में मदद करता है और खून से जुड़ी बीमारियों को दूर करता है।

आयुष मंत्रालय ने त्वचा रोगों के लिए जारी किए नए मानक दिशानिर्देश, चार पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को किया शामिल

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने त्वचा संबंधी विकारों के उपचार के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय ने आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी में त्वचा रोगों के प्रबंधन के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश (एसटीजी) जारी किए हैं, जिसमें योग को भी शामिल किया गया है। ये दिशानिर्देश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के आयुष विभाग द्वारा तैयार किए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य आयुष प्रणालियों में नैदानिक देखभाल में अधिक एकरूपता, गुणवत्ता और साक्ष्य आधारित उपचार लाना है। नए दिशानिर्देश सोरायसिस, विटिलिगो, डर्मेटाइटिस और अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए आयुष देखभाल को मानकीकृत करेंगे। आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कहा कि ये दिशानिर्देश आयुष प्रणालियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा ढांचे के साथ और अधिक एकीकृत करने में सहायक होंगे।

शादी से पहले या शादी के बाद निराश व्यक्ति अवश्य मिले

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त

जब कहीं न हो फायदा तो एक बार जरूर मिले

छत्तीसगढ़ के नं.01 सेक्सोलॉजिस्ट
Dr. AKSAGAR-BUMS, CVD(MD)-REG. CGSOMBS

डॉ. सागर

From Raipur

धातू रोग शुक्राणु की कमी शिग्रपतन खज्जदोष निःसंतान

मैन ब्रांच : सालेम स्कूल के सामने, मोतीबाग चौक रायपुर (छ.ग.)

BEST AYURVEDIC CHIKITSAK AWARD 2023

8109126351 9425257615

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रांली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता :

वीनस मशीनरी

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)

फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

विश्वकांत बघेल (अप्रेमर)

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST फाइल बनवाएं मात्र 500/-

25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data + Balance Sheet + प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस- Income Tax Audit + TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants

C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.

83700 09993

:H.O.:

• Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

:OUTLETS.:

• Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

[illegible]

सुशासन
वस्था भी
ही है। माई
पदयात्रियों
र पुलिस
नीबू शरबत
स से लेकर
हुए अपनी